राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025

वर्ष 14, अंक 16, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

डॉक्टर की गैर मौजूदगी के कारण मरीज को नहीं मिला इलाज....03

फैमिली आईडीः परिवार का संयुक्त आधार कार्ड, 12 डिजिट में होगी पहचान...04

"पापा कहां हैं?" - पहलगाम हमले में पिता को खो चुके मासूम की दिल दहला देने वाली पुकार

स्वतंत्र प्रभात

हर बार जब उनका नन्हा बेटा नींद से उठता है तो अपनी तोतली आवाज में यही सवाल दोहराता है कि ''पापा कहां हैं? क्या वह कहीं गए हैं?" मासूम के ये सवाल उसकी मां को झकझोर कर रख देते हैं, जिनका उसके पास कोई जवाब नहीं होता। वह सिर्फ आंसू बहा सकती है, उसके बेटे के ये शब्द उसके सूने मन को नश्तर की तरह चीरते हैं। साढ़े तीन साल के बच्चे के पिता बितान अधिकारी को आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम की खूबसूरत वादियों में गोली मार दी। छुट्टियां मनाने गए एक खुशहाल परिवार के लिए यह यात्रा जीवन भर के लिए दुःस्वप्न में बदल गई। मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले अधिकारी कुछ साल पहले अपने परिवार के साथ फ्लोरिडा में बस गए थे। वह आठ अप्रैल को रिश्तेदारों से मिलने कोलकाता आए थे और हमले के समय अपने परिवार के साथ कश्मीर में छुट्टियां मना रहे थे। अधिकारी की पत्नी शोहिनी ने एक समाचार चैनल को बताया, ''उन्होंने हमें जुदा कर दिया।" ये कहते कहते उनकी आवाज भर्रा गई।

अधिकारी की पत्नी ने बताया, ''उन्होंने पूछा कि हम कहां से हैं, फिर पुरुषों को अलग किया, उनका धर्म पूछा और उन्हें एक-एक करके गोली मार दी। मेरे पति की हत्या हमारे बच्चे के सामने ही कर दी गई। मैं उसे यह कैसे समझाऊं?" शोहिनी ने भर्राए गले से कहा, ''मैं नहीं जानती कि अपने बेटे को कैसे बताऊं कि उसके पापा हमेशा के लिए दुनिया से चले गए हैं।"उन्होंने कहा, ''वह डर के मारे चौंककर जाग जाता है, मेरा हाथ पकड़ता है, मिन्नतें करता है और फिर पूछता है - ''पापा कहां हैं?" कोलकाता में घर वापस आकर, दुख और भी गहरा हो गया है। बितान न केवल एक अच्छे पति और पिता थे, बल्कि विदेश में रहने के बावजूद वह अपने बूढ़े और बीमार मां-बाप की पूरी सेवा करते थे। उनके पिता, 87 वर्षीय बीरेश्वर अधिकारी और उनकी 75 वर्षीय मां माया अधिकारी, दोनों की ही सेहत ठीक नहीं है। बितान ही उनके इलाज के लिए विदेश से पैसे भेजते थे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें कभी भी दवा की कमी नहीं हो या फिर वे डॉक्टर से मिलने से चूक ना जाएं।

उनके एक शोक संतप्त रिश्तेदार ने कहा, ''वह भले ही विदेश में रह रहे थे, लेकिन उन्होंने हमें कभी अपनी कमी महसूस नहीं होने दी।" उन्होंने कहा, ''उनकी (मां बाप) जांच से लेकर डॉक्टर की फीस का भुगतान करने तक, बितान ने सब कुछ संभाला। अब, उनकी देखभाल कौन करेगा?"जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई। इनमें एक नेपाली और सऊदी अरब का विदेश पर्यटक भी शामिल था, जबकि कई अन्य घायल हो गए। आतंकवादियों ने कथित तौर पर गैर-कश्मीरी पर्यटकों को अलग किया और उनसे उनके धर्म के बारे में पूछने के बाद उनकी हत्या कर दी। इस घटना की बर्बर प्रकृति ने राष्ट्रीय आक्रोश पैदा कर दिया है। कोलकाता में जब

पड़ोसी और रिश्तेदार अधिकारी परिवार को सांत्वना देने की कोशिश कर रहे थे, तो दर्द इतना गहरा था कि उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनकी पत्नी ने कहा, ''मैं बस यही चाहती हूं कि कोई मेरे बेटे को बताए कि उसके पिता कभी वापस क्यों नहीं आएंगे।

और मैं न्याय चाहती हूं - न केवल अपने पति के लिए, बल्कि उस दिन अपनी जान गंवाने वाले हर निर्दोष व्यक्ति के लिए।"तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने भी पीड़ित परिवार का साथ देते हुए न्याय के लिए सोशल मीडिया पर सार्वजनिक अपील की और केंद्र एवं राज्य सरकारों से मुआवजा देते समय बितान के माता-पिता की दुर्दशा पर विचार करने का आग्रह किया। घोष ने 'एक्स 'पर लिखा, ''पूरी मुआवजा राशि केवल श्रीमती अधिकारी को नहीं दें। कृपया श्री बितान अधिकारी के माता-पिता को भी राशि दें। वे पूरी तरह से असहाय हैं। बितान की मृत्यु के बाद उनके माता-पिता और भी असहाय हो गए हैं। उन्हें भी वित्तीय सुरक्षा दी जानी चाहिए।" उन्होंने कहा कि अगर बुजुर्ग माता-पिता जीवित नहीं होते, तो राशि स्वाभाविक रूप से बितान की पत्नी और बेटे को मिलती, लेकिन इस समय माता-पिता की स्थिति को देखें तो उन्हें तत्काल मदद, निजी तौर पर देखभाल की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''मुझे भरोसा है कि राज्य सरकार इस बिंदु पर गंभीरता से विचार करेगी। केंद्र सरकार को भी इसी तरह सोचना चाहिए।"

भारत ने की डिप्लोमैटिक स्ट्राइक- सरकार के इन फैसलों से पाकिस्तान का हुक्का पानी बंद

● पहलगाम आतंकी हमले के बाद अब पाकिस्तान नतीजा भुगतेगा। इसे लेकर भारत सरकार ने डिप्लोमेटिक स्ट्राइक करते हुए वीजा रद्द कर दिया और पानी बंद कर दिया। आइए जानते हैं कि 5 कूटनीतिक फैसलों के क्या हैं मायने?

स्वतंत्र प्रभात

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर डिप्लोमैटिक स्ट्राइक कर दी है. भारत ने पाकिस्तान में अपना दूतावास बंद करने, पाक उच्चायोग को सील करने, सिंधु जल समझौता खत्म करने और पाक नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया है. अटारी-वाघा बॉर्डर बंद कर दिया गया है. इन फैसलों से पाकिस्तान पर जबरदस्त दबाव बना है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया है. इस हमले में अब तक 26 लोगों की जान जा चुकी है. जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, भारत सरकार के हाथ ऐसे सबूत लगे जिन्होंने पाकिस्तान की संलिप्तता को साबित किया. इसके बाद भारत ने अपने अब तक के सबसे कड़े कूटनीतिक फैसले लिए हैं, जिसे सर्जिकल डिप्लोमैटिक स्ट्राइक कहा जा रहा है।

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस आतंकी हमले में सीमा पार से आए आतंकियों का हाथ है. पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी जमीन को आतंक की फैक्ट्री बनने दिया और भारत को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। हालांकि सरकार की इस डिप्लोमैटिक स्ट्राइक से पाक का हुक्का पानी बंद हो गया है. क्योंकि सिंधु जल समझौते का खत्म होना पाक के लिए किसी भी मुसीबत से कम नहीं है।

भारत ने उठाए कड़े कूटनीतिक कदम

भारत सरकार ने इस हमले के बाद जो कूटनीतिक कदम उठाए हैं, वे वाकई अभूतपूर्व हैं. सबसे पहले भारत ने पाकिस्तान में स्थित अपना दूतावास बंद करने का फैसला किया. साथ ही भारत में मौजूद पाकिस्तानी उच्चायोग को भी बंद करने का निर्देश दे दिया गया. इतना ही नहीं, भारत ने पाकिस्तान हाई कमीशन के पांच सपोर्ट स्टाफ को भी निष्कासित कर दिया है. वहीं, हाईकमीशन में अब सिर्फ 30 लोग ही बचे हैं।

भारत-पाकिस्तान संबंधों पर ब्रेक

विदेश सचिव ने यह भी बताया कि भारत ने पाकिस्तान के नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दिया है. अटारी-वाघा बॉर्डर को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है. साथ ही दशकों पुराने सिंधु जल समझौते को भी भारत ने खत्म करने का ऐलान कर दिया है. इस कदम को पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि इससे उसके जल संसाधनों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

प्वाइंट्स में समझें सरकार के फैसले

» अटारी-बाघा बॉर्डर चेक पोस्ट को बंद कर दिया गया है।

» पाकिस्तान से सिंधु जल समझौता भी खत्म कर दिया गया है।

» पाकिस्तान हाई कमीशन से 5 सपोर्ट स्टाफ हटाए गए।

» भारत में पाकिस्तान उच्चायोग को बंद करने का निर्देश दे दिया गया है।

» तीनों सेनाए हाई अलर्ट पर हैं. हमले में पाकिस्तान का साथ है।

» पाकिस्तान में भारतीय उच्चायोग के कर्मचारी वापस बुलाए गए।

हाई अलर्ट पर तीनों सेनाएं

इन कड़े कूटनीतिक फैसलों के साथ-साथ भारत की तीनों सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई ष्टष्टस् बैठक में इन फैसलों को अंतिम रूप दिया गया. यह साफ कर दिया गया है कि भारत अब किसी भी आतंकवादी हमले को सहन नहीं करेगा और हर स्तर पर जवाब देगा. पाकिस्तान को यह संदेश स्पष्ट है अब

संक्षिप्त ख़बरें

राजस्व विभाग की सांठगांठ- भू-माफिया नजूल की जमीन को खुर्द-बुर्द करने में जुटे

औरंगाबाद क्षेत्र में कचहरी रोड पर स्थित जमीन पर क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक और तहसीलदार के संरक्षण में बडा मोटा खेल

मथुरा- सदर तहसील के अंतर्गत गांव औरंगाबाद में कचहरी रोड पर जमीन को खुर्द-बुर्द करने के लिए लगे हुए हैं सूत्रों के अनुसार के थाना सदर बाजार के इलाके में लेखपाल ,क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक और अपर तहसीलदार को बड़ी मोती रकम मिलने के कारण मथुरा के बाहर के भू- माफिया फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे जमीन को बड़े मुनाफा के साथ बचने के लिए तैयार है यह जमीन नजूल की जमीन है जिस पर सरकारी कब्जा नहीं होने के कारण भू माफियाओं की नजर पड़ी है फिर उसे ठिकाने लगाने की जुगत लग गए हैं इस जमीन को कब्जाने के लिए तैयारी पूर्ण हो चुकी है क्योंकि इलाका पुलिस भी मिल चुकी है एक बड़ी रकम राजस्व टीम और संबंधित विभाग के सभी अधिकारियों पर खर्च की जा चुकी है इस मामले में कोई अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है।

मोबाइल गेहूँ क्रय केन्द्रों के माध्यम से हो रही गेंहू की खरीद

अलीगढ़। जिला खाद्य विपणन अधिकारी राजीव कुलश्रेष्ठ ने अवगत कराया है कि राजकीय क्रय बढ़ाने के उद्देश्य से मोबाइल गेहूँ क्रय केन्द्रों के माध्यम से खरीद की जायेगी। उक्त के तहत क्रय केन्द्र प्रभारी द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के उचित दर विक्रेताओं एवं ग्राम प्रधानों से वार्ता की जायेगी और जिस ग्राम में एक ट्रक लोड गेहूँ क्रय की सम्भावना हो, वहीं मोबाइल क्रय केन्द्र के माध्यम से गेहूँ क्रय किया जायेगा। योजना का लाभ उठाने के लिए कृषक भाई अपने ग्राम के कृषकों से एक ट्रक भर गेहूँ की व्यवस्था होने पर अपनी तहसील से सम्बन्धित अधिकारियों से सम्पर्क कर मोबाइल टीम को अपने ग्राम में बुलाकर अपना गेहूँ विक्रय कर सकते है। उन्होंने बताया कि गेहूँ विक्रय के लिए कृषक भाईयों को खाद्य विभाग के पोर्टल बि.नच.हवअ.पद पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। यदि पंजीकरण नहीं कराया है तो मोबाइल टीम द्वारा आधार कार्ड एवं खतौनी के प्रपत्र लेते हुए आपका पंजीकरण तत्काल कर दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि गेहूँ का समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित है।

सुनसान जगहों पर बने ढाबों पर नेपाली यात्रियों क़ो बेचा जा रहा मादक पदार्थ

स्वतंत्र प्रभात

पलिया कलां खीरी क़स्बा पलिया कलां क्षेत्र मे सूनसान जगह बने ढाबों पर तमाम नेपालियो को नशा देकर सामान आदि की लूट की घटनाये घट चुकी है।कई नेपाली यात्रियों का मौके पर पहुंची पुलिस ने सामान खोजबीन कर वापस भी दिलाया है।पलिया के बाहर मुख्य सड़कों पर अवैध रूप से संचालित ढाबो में सक्रिय अराजकतत्वों के लिए भारु नेपाली सटाई का कारोबार जम कर फल फूल रहा है।अवैध कारोबार में लिप्त अराजक तत्व सुबह तीन बजते ही ढाबे पर डेरा जमाए देखे जा सकते हैं ,। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ चार पहिया वाहन से मादक पदार्थ आता है।सूत्र बताते है इतना ही नहीं करोड़ों के भारु नेपाली रुपए के अवैध कारोबार में माहिर युवक निःशुल्क मनी

एक्सचेंज करने के लिए विभिन्न महानगरों से स्वदेश लौटने वाले नेपाली नागरिकोंकोबहलाफुसला एवं डरा धमकाकर भारतीय मुद्रा को नेपाली मुद्रा बदलने पर विवश कर देते हैं।

भारु नेपाली मुद्रा का अवैध कारोबार करने वाला युवक नेपाली नागरिकों को मादक पदार्थों का सेवन कराकर नेपाली मुद्रा ऐंठ लेता है।अब तक पलिया से बाहर संचालित एन ढाबो पर तमाम नेपाली युवक लूट का शिकार हो चुके हैं.इसके साथ ही पूर्व में सटाई करते हुए पकड़े गए शातिर युवक द्वारा नेपाली नागरिकों को प्रलोभन देकर मादक पदार्थों की तस्करी के अवैध कारोबार को दिया जाता अंजाम।अवैध धंधे को अंजाम देने वाले शातिर अपराधी कुछ तथाकथित और छुटपहिया नेता पर हर शाम लुटाते हैं शबाब कबाब और मोटी रकम।आखिर पूर्व में हुई कार्रवाई के बाद से भीरा रोड़ फैक्ट्री व दुधवा रोड़ टांडे पर बनें सून सान ढाबों पर सक्रिय इन अपराधियों पर क्यों मेहरबान है पुलिस और किसके सरपरस्ती में फल फूल रहा अवैध गोरखधंधा अहम् सबाल बना हुआ है।एकांत में रुकने वाले वाहनों पर मंडराता है खतरा, यात्रियों को सताता रहता है डर, मादक पदार्थ व नेपाल मुद्राः की सटाई धंधे बाजों को नहीं रहता किसी का डर।जबकि तहसील दिवस में आए एसपी संकल्प शर्मा से मामले कीशिकायत गई थी।शिकायत और डायरी में नोट हुए थे मादक पदार्थ व सटाई धंधे बाजों के तमाम नाम।अब देखना होगा कि अवैध धंधों व सून सान जगह पर बने ढाबों पर कब होंगी कार्रवाई, और कब होगे धंधेबाज चिन्हित।यह तो समय ही बतायेगा।

पहलगाम आतंकी हमला- अमित शाह ने कर दिया ऐलान, 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा'

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो-टूक चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि भारत आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारी मन से पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा। इस नृशंस आतंकवादी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।"

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में इस आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारवालों से मुलाकात की। इस दौरान परिजन उनके सामने रो पड़े और न्याय की मांग की। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के घटनास्थल बैसरन क्षेत्र पहुंचे। दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजे की घोषणा की। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपए और घायलों के लिए 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। वहीं, मामूली रूप से घायलों को 1 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर तुरंत स्वदेश लौटे। दिल्ली पहुंचते ही एयरपोर्ट पर उन्होंने आपात बैठक बुलाई। इस महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश सचिव मौजूद थे।

शादी मंडप में बैठा था दूल्हा, तभी पहुंची पुलिस, गाड़ी में ले गई तो दुल्हन बोली- नहीं करनी शादी

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

प्रयागराज। बिहार में शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद प्रदेश में शराब तस्करी के मामले सामने आते रहते हैं। इस बार रोहतास के सासाराम में एक अनोखा मामला सामने आया है। पुलिस ने एक दूल्हे को शादी मंडप से गिरफ्तार कर लिया। दूल्हा और उसका दोस्त शराब पीकर शादी करने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि शादी की रस्मों से पहले भी उन्होंने शराब पी थी। इस घटना के बाद दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। साथ ही, दूल्हे की प्रेमिका के आने से और भी हंगामा हो गया।

दरअसल, पूरा मामला रोहतास जिले के सासाराम के अगरेर थाना क्षेत्र के मोकर गांव का है। पुलिस ने शराब पीकर शादी करने पहुंचे दूल्हे और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया। बारात गया के मुस्तफाबाद से सासाराम के मोकर पहुंची थी। यहां अशोक तिवारी की बेटी की शादी थी। शादी मोकर के एक मैरेज हॉल में हो रही थी। दूल्हा अभिषेक पांडेय और उसका दोस्त ज्ञान शंकर शराब पीकर नशे में थे। इसी बीच किसी ने पुलिस को फोन करके शराब के बारे में सूचना दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और दूल्हे को शादी की रस्मों के बीच मंडप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दूल्हे की गाड़ी से शराब की एक बड़ी बोतल भी बरामद की। नशे में धुत दूल्हे के दोस्त को भी पुलिस ने पकड़ लिया। इस बीच, दूल्हे की कथित प्रेमिका भी वहां पहुंच गई। गया से आई एक लड़की ने खुद को अभिषेक की प्रेमिका बताया और एक नया ड्रामा शुरू कर दिया। इतने हंगामे और प्रेमिका के आने के बाद दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से समाज में गलत संदेश जाता है। उन्होंने पुलिस से शराब तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने लोगों से शराब से दूर रहने की अपील की है। दुल्हन के परिवार वालों ने बताया कि उन्हें दूल्हे के शराब पीने की आदत के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस बारे में पता होता तो वे कभी भी अपनी बेटी की शादी अभिषेक से नहीं करते।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक - सिंधु जल समझौता स्थगित, पाकिस्तानी दूतावास बंद करने की तैयारी

● पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता को रोक दिया है। ऐसे में आइए जानते हैं, क्या है सिंधु जल समझौता?

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की अहम बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत ने सिंधु जल समझौते को फिलहाल रोकने का निर्णय लिया है। यह कदम भारत-पाकिस्तान संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर उठाया गया है। सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क के तहत जारी किए गए सभी वीजा छूट रद्द करने का फैसला भी किया है। इसके अलावा भारत में मौजूद पाकिस्तानी दूतावास को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी राजनयिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। इस फैसले के साथ ही अटारी बॉर्डर चेकपोस्ट को भी बंद किया जाएगा, जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच जमीनी संपर्क भी समाप्त हो जाएगा। ये सभी फैसले भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं।

इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि जिन लोगों ने ये हमला किया है, उन्हें सजा मिलेगी। उन्होंने पोस्ट किया, "मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। हमले में प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।"

वहीं, इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि आतंकी हमले का करारा जवाब दिया जाएगा और जल्द ही भारत की ओर से एक्शन लिया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित 'अर्जन सिंह मेमोरियल लेक्चर' कार्यक्रम में बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत सभी जरूरी कदम उठाएगा और घटना को अंजाम देने वालों तक जल्द ही हमारी पहुंच होगी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत एक इतनी पुरानी सभ्यता और इतना बड़ा देश है, जिसे ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधियों से डराया

नहीं जा सकता। ऐसी हरकतों का जवाब, इसके जिम्मेदार लोगों को आने वाले कुछ ही समय में जोरदार तरीके से मिलेगा। यहां मैं, भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराना चाहूंगा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी है। भारत का एक-एक नागरिक, इस कायरतापूर्ण हरकत के खिलाफ एकजुट है।

समय आ गया है आतंकीस्तान को विश्व से मिटाने का

भारत का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर के पहलगाम में बैसरन नामक स्थल पर 28 पर्यटकों की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना केवल एक आतंकी हमला नहीं, बल्कि भारत की एकता, सांस्कृतिक विविधता और शांति के मूल्यों पर सुनियोजित प्रहार है। आतंकियों ने न केवल निर्दोष लोगों की जान ली, बल्कि उनके धर्म को आधार बनाकर हिंदू पर्यटकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया। इस जघन्य कृत्य ने न सिर्फ कश्मीर की शांति को भंग किया, बल्कि पूरे भारत में आक्रोश की लहर पैदा कर दी। यह घटना उन सवालों को जन्म देती है, जिनका जवाब देश की सुरक्षा, नीति और सामाजिक एकता के लिए अनिवार्य है। आखिर आतंकियों ने मरने वालों का धर्म क्यों पूछा? उनसे नमाज पढ़ने को क्यों कहा गया? और उनकी शिनाख्त के लिए कपड़े तक क्यों उतारे गए? ये प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरे सामरिक और सामाजिक मंथन की मांग करते हैं। पहलगाम, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से जाना जाता है, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांति के लिए पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। लेकिन इस बार बैसरन में जो हुआ, वह मानवता को शर्मसार करने वाला था। आतंकियों ने 28 पर्यटकों को निशाना बनाया, और प्रत्येक की हत्या से पहले उनके धर्म की शिनाख्त की। हिंदू पर्यटकों को चुन-चुनकर मारा गया, जबकि उनकी पत्नियों को जिंदा छोड़कर एक क्रूर संदेश दिया गया- "जाकर मोदी को बता देना।" यह संदेश न केवल भारत सरकार के लिए, बल्कि देश की जनता के लिए भी एक चुनौती था। आतंकियों का यह कृत्य केवल हिंसा तक सीमित नहीं था, बल्कि यह हिंदू-मुस्लिम एकता को तोड़ने और सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने की साजिश थी। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया कि यदि आतंक का कोई धर्म नहीं, तो आतंकियों ने धर्म के आधार पर हत्याएं क्यों कीं? नमाज पढ़ने की मांग और शारीरिक शिनाख्त जैसे कृत्य आतंकियों के नापाक मंसूबों को उजागर करते हैं। यह केवल एक आतंकी हमला नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक एकता पर हमला था, जिसका मकसद देश में अराजकता और विभाजन पैदा करना था। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और आर्टिकल 35 ए को हटाए जाने के बाद से घाटी में सकारात्मक बदलाव की लहर देखी जा रही थी। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद कश्मीर में शांति और विकास की नई शुरुआत हुई थी। पर्यटन, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, फिर से गुलजार होने लगा था। स्थानीय लोग, जो दशकों तक आतंक और अस्थिरता के साये में जी रहे थे, अब राहत महसूस कर रहे थे। पर्यटकों की बढ़ती संख्या ने न केवल उनकी आय में वृद्धि की, बल्कि उनके मन में विश्वास भी जगाया कि अब कश्मीर सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा है। लेकिन यह बदलाव पाकिस्तान और उसके पोषित आतंकी संगठनों को रास नहीं आया। धारा 370 हटने के बाद से पाकिस्तान के मंसूबों पर पानी फिर गया था। कश्मीर में शांति और स्थिरता उसके लिए खतरा बन रही थी। घाटी में आतंकवाद को पुनर्जन्म देने के लिए पाकिस्तान ने अपनी रणनीति में बदलाव किया। हाल के विधानसभा चुनावों में कुछ राजनीतिक दलों, जैसे नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस, ने धारा 370 को फिर से लागू करने का वादा करके स्थानीय जनता को बरगलाने की कोशिश की। इन दलों के गठबंधन को सत्ता मिलने से केंद्र सरकार की सीधी पकड़ कमजोर हुई, जिसका फायदा आतंकियों ने उठाया। पाकिस्तान का इतिहास रहा है कि वह भारत में अस्थिरता और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देता है। पहलगाम का यह हमला उसी साजिश का हिस्सा है। आतंकियों ने धर्म के आधार पर हत्याएं करके हिंदू-मुस्लिम एकता को निशाना बनाया। हाल के दिनों में बंगाल में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और पलायन की खबरों ने पहले ही सामाजिक तनाव को बढ़ाया था। ऐसे में इस हमले ने उन भावनाओं को और भड़काने का काम किया। पाकिस्तान का मकसद साफ है- वह नहीं चाहता कि भारत में हिंदू और मुस्लिम शांति से रहें। इस हमले ने यह भी दिखाया कि आतंकी संगठन अब नई रणनीतियों का सहारा ले रहे हैं। टीआरएफ (द रेसिस्टेंस फोर्स), जो लश्कर-ए-तैयबा के मार्गदर्शन में काम करता है, ने अपनी कार्यशैली में बदलाव किया है। आज तक की एक रिपोर्ट के अनुसार, ये संगठन स्लीपर सेल की तरह काम करते हैं। वे पढ़े-लिखे, नौकरीपेशा लोगों को पैसे और जिहाद के नाम पर ब्रेनवॉश करके अपने जाल में फंसाते हैं। ये लोग चेहरा ढककर आतंकी वारदातों को अंजाम देते हैं और अगले दिन अपनी सामान्य जिंदगी में लौट जाते हैं। इस तरह की रणनीति न केवल खतरनाक है, बल्कि इसे रोकना भी चुनौतीपूर्ण है। इस घटना ने भारत के आंतरिक राजनीतिक परिदृश्य पर भी सवाल उठाए हैं। विपक्ष के कुछ नेता राष्ट्रीय हितों से ज्यादा अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता देते हैं। वे हर मुद्दे को सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हथियार बनाने की कोशिश करते हैं। विदेश यात्राओं के दौरान भी वे देश की छवि को धूमिल करने से नहीं चूकते। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे समय में, जब देश को एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ने की जरूरत है, कुछ नेता अपनी संकीर्ण सोच के कारण राष्ट्रीय एकता को कमजोर करते हैं। इसके विपरीत, एक समय था जब राष्ट्रीय हित सर्वोपरि थे। जब कांग्रेस की सरकार थी और पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर जवाब देना था, तब विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को चुना गया। वाजपेयी ने न केवल पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया, बल्कि भारत की एकता और ताकत को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया। आज के नेताओं को उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है। पहलगाम हमले ने यह सवाल भी खड़ा किया कि क्या यह हमला बिना स्थानीय सहयोग के संभव था? आतंकी संगठनों को स्थानीय स्तर पर समर्थन और सूचना के बिना इतनी बड़ी घटना को अंजाम देना मुश्किल है। यह संभावना है कि कुछ स्थानीय लोग, चाहे पैसे के लालच में या जिहाद के नाम पर, आतंकियों के जाल में फंस गए हों। इस तरह की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि आतंकवाद की जड़ें केवल सीमा पार ही नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर भी मौजूद हैं। इन जड़ों को उखाड़ने के लिए न केवल सैन्य कार्रवाई, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक सुधारों की भी जरूरत है। पहलगाम हमले ने एक बार फिर पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) के मुद्दे को केंद्र में ला दिया है। पाकिस्तान द्वारा संचालित आतंकी गतिविधियों का केंद्र पीओके ही है। यह वही क्षेत्र है, जहां आतंकी प्रशिक्षण शिविर चलाए जाते हैं और जहां से भारत के खिलाफ साजिशें रची जाती हैं। जब तक पीओके पर भारत का पूर्ण नियंत्रण नहीं होगा, आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। देशवासियों का आक्रोश अब इस मांग को और बल दे रहा है कि पीओके को भारत में शामिल किया जाए। यह न केवल सामरिक दृष्टिकोण से जरूरी है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक जीत के लिए भी अनिवार्य है। भारत ने पाक के साथ सिंधु जल समझौते को रद्द कर और सभी तरह के राजनयिक संबंध समाप्त कर अपनी कार्रवाई की शुरुआत कर दी है। पहलगाम हमला भारत के लिए एक चेतावनी है। यह हमें बताता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। इस घटना का जवाब देने के लिए हमें बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, आतंकियों और उनके आकाओं को कड़ा संदेश देना होगा। सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ खुफिया तंत्र को और मजबूत करना होगा ताकि ऐसी घटनाओं को पहले ही रोका जा सके। दूसरा, स्थानीय स्तर पर जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से लोगों को आतंकियों के बहकावे से बचाना होगा। तीसरा, राजनीतिक दलों को अपनी संकीर्ण सोच छोड़कर राष्ट्रीय एकता के लिए काम करना होगा।इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को और अलग-थलग करना होगा। वैश्विक समुदाय को यह दिखाना होगा कि पाकिस्तान न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा है। पीओके पर कब्जा इस दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है। यह न केवल आतंकवाद को कमजोर करेगा, बल्कि भारत की सामरिक स्थिति को भी मजबूत करेगा। पहलगाम का आतंकी हमला भारत के लिए एक दुखद और चुनौतीपूर्ण क्षण है। लेकिन यह हमें एकजुट होने और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने का अवसर भी देता है। यह समय है कि हम धर्म, जाति और राजनीति से ऊपर उठकर अपने देश की एकता और सुरक्षा के लिए काम करें। आतंकियों और उनके आकाओं को यह संदेश देना होगा कि भारत न तो झुकेगा, न ही टूटेगा। पीओके पर नियंत्रण और आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई इस दिशा में पहला कदम हो सकता है। देशवासियों का आक्रोश और एकता ही वह शक्ति है, जो भारत को इस संकट से उबार सकती है।

बलदेव राज भारतीय

अब और नहीं- मलेरिया को बनाएं इतिहास

इतिहास में दर्ज़ हो मलेरिया, वर्तमान से मिटे उसका नामो-निशान

एक छोटा-सा मच्छर, जिसे हम हल्के में लेते हैं, जब सभ्यता की नींव को हिला देता है, तो यह सिर्फ जीवविज्ञान की कहानी नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए खतरे की घंटी है। एक काटने से शुरू होने वाला यह खतरा लाखों जिंदगियों को लील जाता है, समाज को कमजोर करता है और प्रगति को ठप करता है। मलेरिया—नाम सुनते ही मन में एक अदृश्य दुश्मन की तस्वीर उभरती है, जो आज भी हमारी दुनिया को अपनी चपेट में ले रहा है। 25 अप्रैल – यह कोई साधारण तारीख नहीं। यह विश्व मलेरिया दिवस है, एक ऐसा दिन जो हमें झकझोरता है, याद दिलाता है कि विज्ञान की चोटी पर पहुंचने के बावजूद हम एक ऐसी बीमारी से हार रहे हैं, जिसका इलाज संभव है। यह दिन सिर्फ जागरूकता का नहीं, बल्कि एकजुट होकर इस युद्ध को जीतने का संकल्प लेने का है। मलेरिया केवल शरीर को नहीं मारता; यह परिवारों को तोड़ता है, अर्थव्यवस्थाओं को चोट पहुंचाता है और बच्चों के भविष्य को छीन लेता है। यह एक स्वास्थ्य संकट से कहीं ज्यादा—यह गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक असमानता का प्रतीक है। इस साल की थीम, "मलेरिया हमारे साथ समाप्त होगा- पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन", हमें गहन प्रतिबद्धता, निरंतर निवेश और नवीन रणनीतियों के साथ इस दुश्मन को जड़ से उखाड़ फेंकने की प्रेरणा देती है। मलेरिया कोई नई बीमारी नहीं। सदियों से यह मानवता को सता रही है। प्लाज़्मोडियम नामक परजीवी, जो मादा एनोफिलीज़ मच्छर के काटने से फैलता है, हर साल लाखों लोगों को अपनी गिरफ्त में लेता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2023 में लगभग 24.9 करोड़ लोग मलेरिया की चपेट में आए, और 6.08 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई। इनमें सबसे ज्यादा शिकार बच्चे और गर्भवती महिलाएं हैं। अफ्रीका के उप-सहारा क्षेत्र, दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका के कई हिस्से आज भी इस बीमारी के गढ़ बने हुए हैं। यह आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि टूटे हुए सपनों और बिखरे हुए परिवारों की कहानियां हैं। 2007 में डब्ल्यूएचओ ने विश्व मलेरिया दिवस की शुरुआत की, ताकि इस बीमारी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को गति मिले। हर साल एक नई थीम के साथ यह दिन हमें प्रेरित करता है कि मलेरिया को हराना असंभव नहीं। लेकिन सवाल यह है—क्या हम वाकई इस जंग को गंभीरता से लड़ रहे हैं? क्या हमारी नीतियां, हमारा समाज और हमारी मानसिकता इस युद्ध के लिए तैयार है? इस लड़ाई का सबसे बड़ा हथियार है—रोकथाम। मच्छरदानी का इस्तेमाल, कीटनाशकों का छिड़काव, जलभराव को रोकना, स्वच्छता को अपनाना और समय पर जांच व इलाज—ये छोटे-छोटे कदम मलेरिया को जड़ से मिटा सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जहां मलेरिया सबसे ज्यादा फैलता है, वहां स्वास्थ्य सेवाएं सबसे कमजोर हैं। ग्रामीण इलाकों में न तो पर्याप्त अस्पताल हैं, न ही दवाएं, और न ही जागरूकता। नतीजा? एक ऐसी बीमारी जो रोकी जा सकती है, वह लाखों जिंदगियां छीन रही है। मलेरिया सिर्फ मच्छरों से नहीं फैलता, यह हमारी उदासीनता से भी पनपता है। जब तक हर घर में मच्छरदानी नहीं पहुंचेगी, हर स्कूल में बच्चों को इसके बचाव के तरीके नहीं सिखाए जाएंगे, और हर सरकार इसे प्राथमिकता नहीं देगी, तब तक यह दुश्मन हम पर हावी रहेगा।

पहलगाम नरसंहार- स्वर्ग को नर्क में बदलने की साज़िश

22 अप्रैल 2025—यह दिन भारतीय इतिहास में केवल शोक का प्रतीक नहीं, बल्कि गहन आत्मचिंतन का भी अवसर बन गया। जम्मू-कश्मीर की सुरम्य वादियों में स्थित पहलगाम, जिसे वर्षों से 'धरती का स्वर्ग' कहा जाता है, इस दिन आतंक की भयावह साजिश का शिकार बना। आतंकियों ने धर्म के आधार पर निर्दोष पर्यटकों की पहचान कर उन पर जानलेवा हमला किया । इस निर्मम घटना में एक विशेष समुदाय के कई लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। मेरे अनुसार यह केवल लोगों की जान लेने तक सीमित मामला नहीं था। वास्तव में यह हमला था भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता, सहिष्णुता और 'विविधता में एकता' की भावना पर । जब आतंकी किसी का धर्म पूछकर उसकी जान लेते हैं, तो वे केवल व्यक्ति नहीं मारते, भारत की समावेशी संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी चोट करते हैं।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है—क्या यह हमला संयोग था या सुनियोजित षड्यंत्र? आज का आतंकवाद केवल राजनीतिक या भौगोलिक उद्देश्यों तक सीमित नहीं रहा। वह अब धर्म की आड़ लेकर समाज को विखंडित करने की रणनीति पर चल पड़ा है। यह उस वैचारिक आतंक का संकेत है जो भारत की गंगा-जमुनी तहज़ीब, साझी संस्कृति और धर्मनिरपेक्षता से भयभीत है। इस प्रकार की घटनाओं के दूरगामी प्रभाव भी चिंताजनक हैं। कश्मीर घाटी, जो पर्यटन पर अत्यधिक निर्भर है, इस तरह की हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित हो सकती है। पहलगाम जैसी घटनाएँ देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के मन में भय और असुरक्षा की भावना पैदा कर सकती हैं, जिससे न केवल पर्यटन उद्योग प्रभावित होगा , बल्कि स्थानीय रोज़गार, आर्थिक गतिविधियाँ और समग्र विकास की गति भी बाधित हो सकती है। यह उन लाखों कश्मीरियों के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है जो शांति, रोज़ी-रोटी और सम्मान के साथ जीवन जीना चाहते हैं। अब समय आ गया है कि समाज के सभी वर्ग, राजनैतिक दल, धर्मगुरु तथा बुद्धिजीवी वर्ग—एक स्वर में इस प्रकार की घटनाओं की भर्त्सना करें, एकजुटता का परिचय दें। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों का भी यह प्रयास होना चाहिए कि आतंकवादियों को इस तरह का सबक़ सिखाया जाए की भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो सके। यह सख्त संदेश दिया जाना भी आवश्यक है कि आतंकवाद का न कोई धर्म होता है, न जाति, और न ही कोई समुदाय उसकी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है। यह घटना केवल शोकाकुल कर देने वाली त्रासदी नहीं, एक चेतावनी भी है—उस ज़हरीली मानसिकता की जो धार्मिक विभाजन के माध्यम से भारत को भीतर से तोड़ना चाहती है, विकास और प्रगति को बाधित करना चाहतीं हैं। ऐसे समय में भारतवासियों को और अधिक सजग, संगठित और संवेदनशील होने की आवश्यकता है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम न केवल पीड़ितों के साथ खड़े रहेंगे, बल्कि भारत की आत्मा—सहिष्णुता, विविधता और एकता—की रक्षा के लिए हर स्तर पर प्रयास करेंगे। क्योंकि यही भारत की सबसे बड़ी ताक़त है, और यही उसका उज्ज्वल भविष्य भी।

डॉ मनमोहन प्रकाश

"कश्मीर का लहूलुहान स्वर्ग- धर्म की आड़ में नरसंहार"

धार्मिक कट्टरता पर खड़ा विश्व आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर किया गया नरसंहार हृदयविदारक है। ये घटनाएं इंसानियत को शर्मसार करती है, एवं मानवता के खिलाफ अपराध हैं, जो सामाजिक सौहार्द को नष्ट करती हैं। भारत की धरती का स्वर्ग कहलाने वाली खूबसूरत और शांतिप्रिय कश्मीर घाटी आज लहू से रंगा आंसु बहा रहा है। कश्मीर हमेशा से ही देश-विदेश के पर्यटकों की पंसदीदा जगह है। इसकी सुंदरता, खूबसूरत घाटियां और स्वच्छ ठंडी हवा लोगों को आकर्षित करती है। हर साल लाखों पर्यटक जम्मू-कश्मीर खूबसूरत वादियों का आनंद लेने आते हैं, और गर्मियों में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है। जम्मू-कश्मीर भारत का खास पर्यटन स्थल है, ऐसे में इसकी कठोर सुरक्षा व्यवस्था बहुत मायने रखती है।

आतंकवादी क्रूरता का शिकार अनंतनाग जिले का पहलगाम, चारो ओर जंगलो से घिरा है। हर साल, सबसे ज्यादा शैलानी यही आते है, लेकिन यहां सुरक्षा व्यवस्था तैनात नही, अब तक ऐसा क्यों? जब सारी दुनिया भी जानती है कि जम्मू-कश्मीर हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रहा हैं, ऐसे में देश-विदेश से आए, लाखो पर्यटकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? सवाल ये भी उठता है, की देश की सीमा पार कर आतंकवादी आए कैसे? देश की सीमा सुरक्षा या आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है, इसलिए जवाबदेही भी सरकार की ही है।

राजनीति की जो आग होती है न, उसमे हमेशा से झुलसती आम जनता ही है। मणिपुर की हिंसा हो या बंगाल की या कश्मीर के आतंकी हमले, बलि चढ़ती है निर्दोष जनता। ऐसी हिंसा की घटनाओं में, जिन्होंने अपना परिवार खोए, अपने पति, पिता या बच्चे को खोया, इसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता है। हिंसा होती है, तब मुद्दा उछलता है, तो जोर-शोर से न्याय की माँग उठती है, लेकिन कुछ दिनों बाद ये आवाज़ें शांत हो जाती हैं। फिर भी कोई ठोस समाधान नहीं निकाला जाता, जिसके कारण ऐसी घटनाएँ बार-बार होती रहती हैं। सरकार जवाबदेही सुनिश्चित करे कि देश की सीमाएं सुरक्षित क्यों नहीं हैं। प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की सुरक्षा को मजबूत किया जाए। देश को अब सहानुभूति नहीं, बल्कि समाधान चाहिए। "कश्मीर की वादियाँ खून से रंगी, मानवता की चीखें गूँज रही हैं। आतंक की आग में जलता स्वर्ग, सुरक्षा का वादा कब पूरा होगा?"

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'

संपादकीय

वह दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है

यह धरती, यह आकाश, यह ब्रह्मांड अपने आप में न जाने कितने रहस्य छुपाए हुए हैं। कितनी बड़ी विडंबना है कि हम अपनी पृथ्वी को अभी सही ढंग से समझ नहीं सके और बाह्य जगत के रहस्यों को जानने के लिए लालायित रहते हैं। मनुष्य अंतरिक्ष के अन्य पिंडों पर जीवन की तलाश कर रहा है और जहां जीवन मौजूद है उसे तहस नहस करने पर तुला हुआ है। वह कभी चांद पर जीवन की संभावना तलाशता है तो कभी मंगल पर पानी की खोज। बड़े बड़े टेलिस्कोप लिए बैठा है किसी नई दुनिया की खोज में। जैसे उसके सपने इस दुनिया में नहीं उसी दुनिया में पूरे होने हों। वह रहस्य, वह रोमांच बयान नहीं किया जा सकता, जब उसे ऐसी किसी दुनिया का पता चलता है। वह उस बच्चे की तरह मचल उठता है, जिसे उसके पसंदीदा खिलौने मिल गए हों। ऐसी ही खुशी भारतवंशी वैज्ञानिक निक्कू मधुसूदन को उस समय प्राप्त हुई जब उन्होंने अपनी हालिया अंतरिक्ष खोज से पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया। सौरमंडल से 120 प्रकाशवर्ष दूर एक बाह्यग्रह K2_ 18b पर जैविक गतिविधि के मजबूत संकेत पाए गए हैं। निक्कू मधुसूदन के नेतृत्व वाले एक दल ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की सहायता से उस ग्रह पर डाइमिथाइल सल्फाइड और डाइमिथाइल डाइसल्फाइड जैसे रासायनिक यौगिकों का पता लगाया, जो पृथ्वी पर केवल जीवित प्राणियों विशेषकर समुद्री शैवाल द्वारा उत्पादित होते हैं। यह खोज न केवल खगोल विज्ञान और जैव-खगोल विज्ञान के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है, बल्कि मनुष्य के मन में वर्षों से दबे उस प्रश्न के उत्तर की ओर बढ़ा हुआ एक कदम है जिसमें बार बार उसके मस्तिष्क के पटल पर प्रश्न उभरता था कि क्या हम ब्रह्मांड में अकेले हैं? यद्यपि अनेक सनातन ग्रंथों में वर्णित "त्रिलोक" शब्द इस बात की पुष्टि करता था कि पृथ्वी के अतिरिक्त भी अन्य दो लोक हैं, जहां जीवन संभव है। परन्तु विज्ञान की कसौटी पर इन ग्रंथों को मिथक कहकर नकार दिया जाता था। अब जब मनुष्य एक नई दुनिया के विषय में जानकारी प्राप्त करने की ओर बढ़ रहा है तो कहीं न कहीं सनातन ग्रंथों में वैज्ञानिकता की पुष्टि होने की संभावना बढ़ रही है। निक्कू मधुसूदन का जन्म 1980 में भारत में हुआ। उनकी शैक्षिक यात्रा की शुरुआत वाराणसी के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी बीएचयू) से हुई, जहां उन्होंने बी.टेक की डिग्री हासिल की। इसके बाद, उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका का रुख किया और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) से भौतिकी में मास्टर और डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। MIT में उनके गुरु प्रोफेसर सारा सीगर, जो बाह्यग्रह अनुसंधान की अग्रणी वैज्ञानिक हैं, ने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में, निक्कू मधुसूदन कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में खगोल भौतिकी और बाह्यग्रह विज्ञान के प्रोफेसर हैं। आओ बात करें उस ग्रह की जिसे K2-18b नाम दिया गया है। यह एक बाह्यग्रह है, जो पृथ्वी से लगभग 120-124 प्रकाश वर्ष दूर है। यह ग्रह सिंह राशि में स्थित एक ठंडे लाल बौने तारे K2-18 के चारों ओर चक्कर लगाता है। इस ग्रह की खोज पहली बार 2015 में केपलर स्पेस टेलीस्कोप के डेटा के आधार पर की गई थी। यह एक "सब-नेपच्यून" ग्रह है, जिसका आकार पृथ्वी से बड़ा लेकिन नेपच्यून से छोटा है। इसका द्रव्यमान पृथ्वी से 8.6 गुना और व्यास 2.6 गुना है। यह ग्रह अपने तारे के "हैबिटेबल जोन" में स्थित है, अर्थात वह क्षेत्र जहां तरल पानी के अस्तित्व की संभावना होती है। जिसके कारण वहां जीवन की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मधुसूदन और उनकी टीम ने 2021 में "हाइसीन" (Hycean) ग्रहों की अवधारणा प्रस्तुत की थी। हाइसीन हाइड्रोजन और ओसियन दो शब्दों को जोड़कर बना है। अर्थात उन्होंने उन ग्रहों पर फोकस किया जिन पर हाइड्रोजन और ओसियन दोनों हों, क्योंकि ऐसे ग्रहों पर जीवन की संभावनाएं अधिक होती हैं।

इस खोज का आधार नासा का जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) है, जिसे दिसंबर 2021 में लॉन्च किया गया था। यह टेलीस्कोप अपनी उन्नत अवरक्त (infrared) तकनीकों के कारण बाह्यग्रहों के वायुमंडल का अध्ययन करने में अभूतपूर्व सक्षमता रखता है। जब K2-18b अपने तारे के सामने से गुजरता है, तो तारे का प्रकाश ग्रह के वायुमंडल से होकर गुजरता है। इस प्रक्रिया में, वायुमंडल में मौजूद गैसें प्रकाश की कुछ तरंगदैर्ध्य को अवशोषित कर लेती हैं, जिससे एक विशिष्ट "स्पेक्ट्रम" बनता है। इस स्पेक्ट्रम का विश्लेषण करके वैज्ञानिक वायुमंडल में मौजूद रासायनिक यौगिकों की पहचान कर सकते हैं। मधुसूदन की टीम ने इस तकनीक, जिसे ट्रांसमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी कहते हैं, का उपयोग करके छब्स और DMDS के संकेतों का पता लगाया। DMS का पता लगना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि पृथ्वी पर यह गैस केवल जीवित प्राणियों, मुख्य रूप से समुद्री शैवालों द्वारा उत्पादित होती है। इस गैस की उपस्थिति K2-18b पर जैविक गतिविधि की संभावना को दर्शाती है। हालांकि, नासा और मधुसूदन ने इस खोज को पूरी तरह से पुष्ट करने के लिए और अधिक अवलोकनों की आवश्यकता पर जोर दिया है। वर्तमान में, DMS का सिग्नल "थ्री-सिग्मा" स्तर पर है, जिसका अर्थ है कि यह सिग्नल के यादृच्छिक होने की संभावना केवल 0.3% है। खगोल विज्ञान में, किसी खोज को निश्चित मानने के लिए "फाइव-सिग्मा" स्तर की आवश्यकता होती है, इसलिए इस दिशा में और शोध की जरूरत है।

मधुसूदन ने इस खोज को "खगोल विज्ञान और जैव-खगोल विज्ञान में एक परिवर्तनकारी क्षण" करार दिया है। उनकी टीम का मानना है कि K2-18b पर एक गर्म सागर हो सकता है, जो जीवन से "परिपूर्ण" हो। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह जीवन की पुष्टि नहीं है, बल्कि एक मजबूत संकेत है, जिसे और जांच की आवश्यकता है। मधुसूदन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "जीवन की खोज का दावा समय से पहले करना किसी के हित में नहीं है।" यह सावधानी वैज्ञानिक समुदाय में एक सामान्य प्रथा है, क्योंकि अतीत में भी कई बार ऐसी खोजें गलत साबित हुई हैं, जैसे कि 2018 में शुक्र के वायुमंडल में फॉस्फीन की उपस्थिति का दावा। इस खोज का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह हाइसीन ग्रहों की अवधारणा को और मजबूती प्रदान करता है। मधुसूदन ने 2021 में प्रस्तावित किया था कि हाइसीन ग्रह, जो सब-नेपच्यून श्रेणी में आते हैं, जीवन की खोज के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार हो सकते हैं। ये ग्रह अपने आकार और वायुमंडलीय संरचना के कारण चट्टानी ग्रहों की तुलना में वायुमंडलीय अवलोकन के लिए अधिक सुलभ हैं। K2-18b पर DMS और DMDS का पता लगना इस सिद्धांत के अनुरूप है, जिससे भविष्य में ऐसे और ग्रहों का अध्ययन करने की प्रेरणा मिलती है।

इस खोज ने वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय और आम जनता में उत्साह पैदा किया है। निश्चित ही निक्कू मधुसूदन की यह उपलब्धि भारत के लिए गर्व का विषय है। IIT-BH से अपनी यात्रा शुरू करने वाले इस वैज्ञानिक ने न केवल वैश्विक मंच पर भारत का नाम रोशन किया है, बल्कि युवा वैज्ञानिकों के लिए भी एक प्रेरणा स्थापित की है। उनकी यह खोज भारतीय वैज्ञानिक समुदाय की क्षमता और वैश्विक विज्ञान में उनके योगदान को दर्शाती है। इस वैज्ञानिक उपलब्धि पर जितना भी गर्व किया जाए कम है, क्योंकि यह इस अवधारणा को पुष्ट करेगी कि हम ब्रह्मांड में अकेले नहीं हैं। परन्तु एक प्रश्न मन में बार बार दस्तक दे रहा है कि पृथ्वी से लगभग 120 प्रकाशवर्ष दूर किसी ग्रह पर जीवन मिल भी जाए तो क्या? एक स्वस्थ मनुष्य यदि अपने जीवन में एक भी दिन बीमार न पड़े तो शायद वह अपने जीवनकाल में 120 वर्ष जी सके। परन्तु जिस ग्रह पर प्रकाश की गति से जाने में ही 120 वर्ष लग जाएं तो क्या वहां जाना संभव हो सकेगा। शायद नहीं। गुरुदत्त साहब और साहिर याद आ गए उनसे क्षमा याचना के साथ कि "वह सपनों, सितारों और ख्वाबों की दुनिया, पल पल उठते सवालों की दुनिया, कुछ उल्टे सीधे जवाबों की दुनिया, वह दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है? वह दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है?"

जितेन्द्र सिंह

मोदी की सऊदी अरब यात्रा

कभी सऊदी अरब पाकिस्तान का सबसे अच्छा मित्र माना जाता था। वह हर साल पाकिस्तान को अरबों डालर की मदद देता रहा। पाकिस्तान को जब भी कर्ज या कूटनीतिक समर्थन की जरूरत पड़ती तो सऊदी अरब सबसे पहले आगे आता था। कई बार संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मसले पर भी सऊदी ने पाकिस्तान के स्टैंड का समर्थन किया था लेकिन अब दृश्य पूरी तरह से बदल चुका है। सऊदी अरब और अन्य कई अरब देश भारत के अच्छे-खासे मित्र बन चुके हैं। भारत के सऊदी के साथ रिश्ते बहुत पुराने हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में प्रगाढ़ता आई है। अरब देश दुनिया के उन क्षेत्रों में शामिल हैं जिनके पास तेल, ऊर्जा और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। इन देशों में राजनीतिक व्यवस्था और विकास के बीच बहुत जटिल संबंध हैं। विकास की बात करें तो वह भी कई सामाजिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक कारकों से प्रभावित होता है। अरब देशों में अधिकांश सरकारें राजशाही पर आधारित हैं लेकिन अब बहुत कुछ बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। अरब देशों में राजशाही की युवा पीढ़ी दुनिया को नए नजरिए से देख रही है। सऊदी अरब जैसे देश अब दुनिया को साथ लेकर चल रहे हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में भारत और सऊदी के बीच संबंधों को बहुत गहराई मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिन में सऊदी अरब के दौरे पर जा रहे हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और ईरान परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिए आगे बढ़ चुके हैं। पश्चिम एशिया में हमास-इजराइल संघर्ष के कारण तनाव की स्थिति बनी हुई है। प्रधानमंत्री की यह यात्रा अगले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सऊदी अरब यात्रा से पहले हो रही है। यह यात्रा भारत में वक्फ कानून को लेकर चल रहे विवाद के बीच हो रही है। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को लेकर समझौते हो सकते हैं। इसमें सऊदी सेना को भारतीय सेना की ओर से प्रशिक्षण देना भी शामिल है। पिछले दो वर्षों में 80 सऊदी नौसैनिकों को भारत में ट्रेनिंग दी गई और दोनों देश समुद्री व्यापार मार्गों और वैश्विक चैक प्वाइंट्स की सुरक्षा भी मिलकर कर रहे हैं। भारत और सऊदी अरब में हाल के वर्षों में रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ा है। दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण और रक्षा व्यापार बढ़ रहा है। दोनों की रक्षा साझेदारी में बड़ा घटनाक्रम बीते साल देखने को मिला, जब दोनों देशों के बीच पहली बार संयुक्त थल सेना अभ्यास हुआ। दोनों देशों की नौसेना के भी दो संयुक्त अभ्यास हो चुके हैं। प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर भी नियमित रूप से दोनों मुल्कों में बातचीत हो रही है। भारत बीते कुछ समय से सऊदी अरब की रक्षा सामग्री का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बनकर उभर रहा है। सऊदी अरब में 25 लाख से भी ज्यादा भारतीय काम करते हैं। सऊदी अरब को भारत से न केवल तकनीकी पेशेवर लोगों की सेवाओं की जरूरत है, बल्कि उन्हें कुशल श्रमिकों की भी जरूरत पड़ती है। भारत अपने नागरिकों के हितों को भी देखता है क्योंकि भारत को प्रवासी भारतीयों से काफी अधिक विदेशी मुद्रा हासिल होती है। मोहम्मद बिन सलमान सऊदी अरब के डिफेक्टी शासक माने जाते हैं। विजन बी 2030 के तहत उन्होंने देश को तेल आधारित अर्थव्यवस्था से विविध क्षेत्रों में ले जाने का लक्ष्य रखा है। इस योजना में भारत एक प्रमुख साझेदार के रूप में उभरा है। इसलिए मोहम्मद बिन सलमान ने अपनी पिछली भारत यात्रा के दौरान निवेश के कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। सऊदी अरब भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सऊदी अरब से भारत का आयात 31.42 बिलियन अमेरिकी डालर तक पहुंच गया और सऊदी अरब को निर्यात 11.56 बिलियन अमेरिकी डालर का था, 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार 42.98 बिलियन अमेरिकी डालर था, जिसमें भारतीय निर्यात 11.56 बिलियन अमेरिकी डालर और आयात 31.42 बिलियन अमेरिकी डालर था। भारत से सऊदी अरब को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में इंजीनियरिंग सामान, चावल, पैट्रोलियम उत्पादन, रसायन, वस्त्र, खाद्य उत्पाद, सिरेमिन टाइलें शामिल हैं। जबकि भारत के लिए सऊदी अरब से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं कच्चा तेल, एलपीजी, उर्वरक, रसायन, प्लास्टिक और इसके उत्पाद आदि हैं। सऊदी अरब 2023-24 के लिए भारत का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल और पैट्रोलियम उत्पाद सोर्सिंग गंतव्य बना रहा। सबसे बड़ी बात यह है कि आतंकवाद के खिलाफ हिन्द महासागर में सभी के हितों की रक्षा के लिए दोनों देशों के विचार समान हैं। सऊदी अरब ने अब तक भारत में वक्फ कानून को लेकर चल रहे विवाद पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। अब तक प्रधानमंत्री मोदी की विचारधारा अरब के इस्लामिक देशों से संबंध बढ़ाने में कोई बाधा नहीं बनी है। कई अरब देश प्रधानमंत्री को अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। भारत और सऊदी में करीबी संबंधों को लेकर पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ी हुई हैं। क्योंकि भारत की भूमिका बढ़ने से पाकिस्तान की क्षेत्रीय भूमिका लगातार सिमट रही है। प्रधानमंत्री की यात्रा ऊर्जा, निवेश, सुरक्षा और क्षेत्रीय सहयोग जैसे अहम क्षेत्रों में साझेदारी की ओर आगे ले जाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

बेटी के जन्म पर बांटे फल व मिठाई

जीत वेलफेयर फाउंडेशन ने पेश की अनोखी पहल

लालगंज (रायबरेली)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लालगंज में बुधवार को बेटी के जन्म पर खुशी का माहौल देखने को मिला। जीत वेलफेयर फाउंडेशन के एक सदस्य के घर बेटी पैदा होने पर संस्था ने अनूठे ढंग से जश्न मनाया। संस्था के सदस्य स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और जच्चा-बच्चा को फल से भरी टोकरी भेंट कर बधाई दी। इसके साथ ही अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों को भी संस्था की ओर से फल व मिठाई वितरित की गई। संस्था का यह कदम सभी के बीच खुशी और सकारात्मकता फैलाने वाला रहा। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अमल पटेल और डॉ. प्रियंका सिंह भी मौजूद रहे। संस्था के संस्थापक जितेंद्र सविता, जिलाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष चन्दर, सचिव प्रवीण कुमार, कोषाध्यक्ष शुभम, वरिष्ठ सलाहकार दिलीप कुमार वर्मा सहित अंजली, पूनम सोनी, अनामिका व अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। संस्था द्वारा बेटी के जन्म पर ऐसे सामाजिक सरोकार निभाना समाज में सकारात्मक संदेश देता है। लोगों ने संस्था की इस पहल की सराहना की।

शहर की प्रथम महिला महापौर के पैर में चोट के कारण अस्वस्थ

लखनऊ दिनांक 22 अप्रैल 2025 उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ द्वारा शहर की प्रथम महिला माननीय महापौर महोदय के पैर में चोट के कारण अस्वस्थ होने पर नगर निगम के तमाम कर्मचारी अधिकारी एवं शहर की जनता अपनी शुभकामनाएं एवं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रही है इसी क्रम में आज दिनांक उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी अध्यक्ष राजेश सिंह अपने संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ महापौर महोदया को जल्द स्वस्थ होने की शुभकामनाएं एवं ईश्वर से प्रार्थना की गई, इस अवसर पर उनके आवास पर पुष्प देकर के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई इस अवसर पर संगठन के संरक्षक कंचन सक्सेना महामंत्री- रमेश चौरसिया, उपाध्यक्ष दीपक शर्मा, मोहम्मद रेहान संगठन मंत्री ओमकार राजभर प्रचार मंत्री राजीव रतन राय, मंगल सिंह मंत्री संतोष दुबे एवं तमाम कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक सूचना

मैं शिवदास पुत्र श्रीराम, निवासी मुंशीगंज रोड, श्यामनाथ मंदिर, थाना कोतवाली नगर, जनपद सीतापुर, यह सूचित करता हूँ कि मैंने अपने पुत्र शिवा गोस्वामी व बहू पायल गोस्वामी से सभी पारिवारिक संबंध समाप्त कर लिए हैं। उनका व्यवहार अनुचित है तथा वे मेरी आज्ञा नहीं मानते। वे अक्सर घर में झगड़ा-फसाद करते हैं, जिससे मानसिक रूप से मैं अत्यंत परेशान हूँ। मैंने उन्हें अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके किसी भी कार्य, विवाद, लेन-देन या किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी के लिए मैं या मेरा परिवार उत्तरदायी नहीं होगा।

सार्वजनिक सूचना

मैं शिव देवी पत्नी शिवदास , निवासी मुंशीगंज रोड, श्यामनाथ मंदिर, थाना कोतवाली नगर, जनपद सीतापुर, यह सूचित करती हूँ कि मैंने अपने पुत्र शिवा गोस्वामी व बहू पायल गोस्वामी से सभी पारिवारिक संबंध समाप्त कर लिए हैं। उनका व्यवहार अनुचित है तथा वे मेरी आज्ञा नहीं मानते। वे अक्सर घर में झगड़ा-फसाद करते हैं, जिससे मानसिक रूप से मैं अत्यंत परेशान हूँ। मैंने उन्हें अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके किसी भी कार्य, विवाद, लेन-देन या किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी के लिए मैं या मेरा परिवार उत्तरदायी नहीं होगा।

आवश्यकता है

एल बी एस **Group** आंफ एजूकेशन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कालेज हरदुआ नवाबगंज जिला बरेली में आवश्यकता है वी एड संकाय के शिक्षण कार्य हेतु एन सी टी ई के द्वारा निर्धारित मानक अनुसार विभाग अध्यक्ष प्रवक्ताओं की आवश्यकता है इच्छुक अभ्यर्थी 7 दिनों के अंदर कॉलेज में संपर्क कर सकते हैं।

मो.-9412360790/9675947761
Mail id- Lbscollegevz@gmail.com

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डॉ. संजिता पाठक को दी मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं, सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ/सुलतानपुर। सामाजिक सरोकारों के प्रति सदैव संवेदनशील और प्रेरणादायी भूमिका निभाने वाली उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने एक बार फिर मानवीय संवेदना और प्रोत्साहन की अनूठी मिसाल पेश की। सुलतानपुर की बेटी डॉ. संजिता पाठक द्वारा एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर महामहिम राज्यपाल ने स्वयं मिठाई खिलाकर उन्हें आशीर्वाद दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल आवास में हुए इस भावुक क्षण का साक्षी बना हर शख्स इस आत्मीयता से अभिभूत नजर आया। डॉ. संजिता पाठक, जो सुलतानपुर जनपद से ताल्लुक रखती हैं, ने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर अपने जिले के साथ-साथ पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने न केवल उनकी सफलता की सराहना की, बल्कि उन्हें समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग की सेवा के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने संजिता को सलाह दी कि वे अपने ज्ञान और क्षमता का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने में करें। इस अवसर पर डॉ. संजिता पाठक ने राज्यपाल से मिलकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया और बताया कि यह क्षण उनके जीवन के सबसे प्रेरणादायी पलों में से एक है। उन्होंने कहा कि महामहिम राज्यपाल से मिले आशीर्वाद और स्नेह ने उनके हौसले को कई गुना बढ़ा दिया है।

डॉ. संजिता की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, शिक्षकों और जिलेवासियों में भी अपार हर्ष है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस उपलब्धि को नारी सशक्तिकरण और ग्रामीण प्रतिभा की जीत बताया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का यह gesture एक बार फिर दर्शाता है कि वे केवल एक संवैधानिक पद पर आसीन नहीं, बल्कि समाज के हर तबके से गहरे जुड़ाव रखने वाली प्रेरक व्यक्तित्व हैं।

डॉक्टर की गैर मौजूदगी के कारण मरीज को नहीं मिला इलाज

● वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए पहुंचे एक मरीज को लेकर मचे विवाद ने तूल पकड़ लिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में दावा किया गया है। कि मरीज को डॉक्टर की अनुपस्थिति में बिना इलाज के लौटा दिया गया। जिसके बाद उसकी हालत गंभीर हो गई। यह वीडियो वायरल होते ही स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल खड़े हो गए।हालांकि, इस पूरे मामले में सीएचसी अधीक्षक की ओर से सफाई भी सामने आई है। अधीक्षक ने कहा है कि वायरल हो रही खबरें भ्रामक हैं। उनका दावा है कि मरीज को प्राथमिक उपचार दिया गया था और यह कहना गलत है कि उसे बिना इलाज के लौटा दिया गया।

वीडियो में देखा जा सकता है कि एक मरीज अस्पताल से बाहर निकलते ही गिर पड़ता है और लोग उसे घेरकर मदद करने की कोशिश करते हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर आरोप लगे कि डॉक्टर की गैरमौजूदगी के कारण मरीज को इलाज नहीं मिल पाया। वायरल वीडियो को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है और वे पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि अस्पतालों में अक्सर डॉक्टरों की गैरहाजिरी आम हो गई है, जिससे मरीजों की जान पर बन आती है।

वीडियो और अस्पताल प्रशासन के बयान के बीच भ्रम की स्थिति बना रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक जांच या बयान नहीं आया है, लेकिन बढ़ते विवाद को देखते हुए जल्द ही कोई कार्यवाही की संभावना जताई जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

गौ आश्रय केंद्र में लापरवाही पर सख्त एक्शन- सीडीओ आनंद शुक्ला ने चार अधिकारियों पर की बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात

अंबेडकर नगर। जनपद में पशुओं की देखभाल और गौ संरक्षण को लेकर जिलाधिकारी के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने में लापरवाही बरतने पर मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) आनंद शुक्ला ने बड़ा कदम उठाया है। मकोइया स्थित गौ आश्रय केंद्र में निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर सीडीओ ने चार जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मियों पर कठोर कार्रवाई की है। सीडीओ ने पशुधन प्रसार अधिकारी के खिलाफ निलंबन की संस्तुति करते हुए ग्राम पंचायत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं, ग्राम प्रधान के खिलाफ भी आवश्यक विधिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके अलावा खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) और सहायक विकास अधिकारी (एडीओ पंचायत) को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है।

बताया जा रहा है कि मकोइया गौ आश्रय केंद्र में पशुओं के लिए पर्याप्त चारे-पानी की

व्यवस्था नहीं थी, साथ ही सफाई व्यवस्था भी बेहद खराब पाई गई। सीडीओ आनंद शुक्ला ने इसे प्रशासनिक लापरवाही मानते हुए जिम्मेदारों को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोहराई गई तो और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस सख्त रवैये के बाद जिले के अन्य गौ आश्रय केंद्रों में भी व्यवस्थाओं को सुधारने की कवायद शुरू हो गई है। सीडीओ ने स्पष्ट कहा है कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य नहीं करने वाले अधिकारियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

विद्यालय के लिए घर से निकली दो नाबालिक किशोरी लापता

मोहनलालगंज क्षेत्र के कनकहा गाँव से दो नाबालिग किशोरियों का एक साथ लापता होने का मामला सामने आया है मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के कनकहा निवासी अमित सिंह ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री कल्पना सिंह और 15 वर्षीय भतीजी मुस्कान सिंह 22 अप्रैल को सुबह 7 बजे घर से यह कहकर निकली थीं कि वे काशीश्वर इंटर कॉलेज में एडमिशन के लिए जा रही हैं, लेकिन शाम तक जब दोनों घर नहीं लौटीं, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई।परिजनों द्वारा पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों किशोरियाँ अंतिम बार कनकहा स्टैंड पर देखी गई थीं, लेकिन उसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है। काफी तलाश के बाद भी जब दोनों का कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने मोहनलालगंज कोतवाली में जाकर शिकायत दर्ज कराई दोनों किशोरियों की उम्र 18 वर्ष से कम बताई जा रही है, जिससे यह मामला और भी संवेदनशील हो गया है। स्थानीय पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला ने थाने में दी तहरीर लगाई न्याय की गुहार

मोहानलालगंज क्षेत्र के गौरा गांव निवासी शशि देवी पत्नी सच्चन ने गांव के ही सुरेन्द्र उर्फ मोछई पुत्र राम भरोसे के खिलाफ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने मोहनलालगंज कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, 12 अप्रैल 2025 को किसी आपसी विवाद के चलते सुरेन्द्र ने शशि देवी के साथ मारपीट की थी। उस समय ग्रामीणों के समझाने पर मामला शांत हो गया लेकिन 21 अप्रैल की सुबह सुरेन्द्र नशे की हालत में पीड़िता के घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने दोबारा मारपीट की, जिससे पीड़िता के गले पर खरोंच आ गई। शिकायत में महिला ने बताया कि आरोपी के आपराधिक स्वभाव के कारण उसका पूरा परिवार भयभीत है। परिजनों ने समझौते का प्रयास भी किया, लेकिन आरोपी के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया।महिला ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर आरोपी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

समस्तीपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने महिला को कुचला, इलाज के दौरान हुई मौत

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर- समस्तीपुर जिले में सड़क हादसे में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान जितवारपुर हकीमाबाद वार्ड - 5 निवासी संजीत कुमार की पत्नी प्रतिभा देवी (26 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना नगर थाना क्षेत्र के लक्ष्मी टॉकीज के पास की है, जहां सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। परिजनों ने बताया कि मृतक महिला देवर और बेटे के साथ अपने मायके सातनपुर से ससुराल लौट रही थी। इसी दौरान शहर के लक्ष्मी टॉकीज के पास सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। जिसके के बाद महिला को स्थानीय लोंगो की मदद से समस्तीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतका के पति संजीत कुमार ने बताया कि

प्रतिभा अपनी बीमार मां से मिलने मायके गई थी। महिला के पति चाय की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके तीन बच्चे हैं, जिनके सर से मां का साया छीन गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बच्चों का रो - रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार काफी गरीबी में जीवन बसर कर रहा था। पति संजीत चाय की दुकान के साथ खेती बारी भी करते हैं। जबकि प्रतिभा भी दूसरों के खेतों में मजदूरी किया करती थी। नगर थाना अध्यक्ष शिवकुमार यादव ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

पुलिस ने चोर को किया गिरफ्तार, चोरी की बाईक बरामद

बावन हरदोई के लोनार कोतवाली क्षेत्र मे बाईक चोरी का मामला सामने आया है, पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है आपको बताते चलें यह घटना 16 अप्रैल की है कमालपुर निवासी रामनरेश ने पुलिस में शिकार दर्ज कराई थी उन्होंने बताया कि वह हुसैनपुर शहर गांव के पास शारदा नहर के किनारे लघुशंका के लिए रुके थे, इसी दौरान की कोई बाइक चोरी कर फरार हो गया काफी खोजबीन के बाद भी बाईक का पता नहीं चला, लोनार कोतवाल उमेश त्रिपाठी,चौकी इंचार्ज बावन राजीव कुमार,सब स्पेक्टर सुप्रिया यादव के नेतृत्व में पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज की मदद से पुलिस ने सदिग्ध की पहचान की, पुलिस ने बेहटागोकुल थाना क्षेत्र के अंटा विगवा निवासी नीरज सिंह को गिरफ्तार किया आरोपी की निशानदेही पर चोरी की बाइक बरामद कर ली गई है पुलिस अन्य वारदातों को लेकर आरोपी से पूछताछ कर रही है, गिरफ्तारी मे सतेंद्र सिंह यादव, ओपी विन्द, और आकाश गिरि शामिल रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पाकिस्तान का पुतला फूंका

कश्मीर में हिंदू युवकों पर आतंकी हमले का विरोध, पाकिस्तान के खिलाफ लगाए नारे

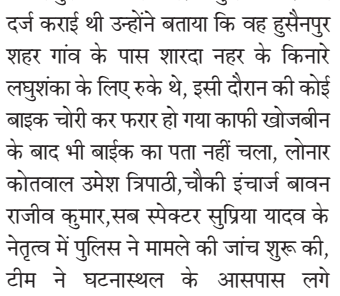

हरदोई बावन! अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बावन नगर इकाई द्वारा पाकिस्तान का पुतला जगदीशपुर चौराहे पर फूंका गया जिसमे प्रान्त के कार्यकारिणी सदस्य पुनीत सिंह भोलू के नेतृत्व में विद्यार्थी परिषद के तमाम कार्यकर्त्ता मौजूद रहे पुनीत सिंह ने बताया पहलगांव में जो घटना हुई बहुत निंदनीय है इससे पहले भी अमरनाथ में बस पर हलमा लगातार चुन चुनकर हिन्दुओ पर हमला कराया जा रहा जिससे पाकिस्तान की मानसिकता साफ नज़र आ रही है पूरा देश इस घटना की निंदा कर रहा है पूरा देश अपने देश के साथ खड़ा है समय है पाकिस्तान को जबाब देने का जबाब ऐसा जिससे उसकी सात पुस्ते याद करें इस मौके पर नगर अध्यक्ष रघुवीर सिंह नगर मंत्री राम जी शुक्ला नगर सह मंत्री मनीष कुमार विशाल सिंह गोलू गोविन्द चौहान सत्यम शुक्ला अजीत शुक्ला अभय सिंह तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे

समस्तीपुर के सौरभ सुमन ने यूपीएससी में किया कमाल, प्रथम प्रयास में ही हासिल किया 391वां रैंक

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर- समस्तीपुर के लाल सौरभ सुमन ने यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा में सफलता का परचम लहराया है. सौरभ सुमन ने सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी) 2024-25 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक 391 प्राप्त की है। सौरभ मूल रूप से सुपौल जिले के पिपरा प्रखंड के रहने वाले हैं। लेकिन उनकी प्रारंभिक शिक्षा समस्तीपुर जिले में हुई है। उन्होंने 10वीं सीपीएस,धर्मपुर और 12वीं सेंट पॉल स्कूल, वीरसिंहपुर समस्तीपुर से पास की है। इसके बाद दिल्ली स्थित हंसराज कॉलेज से वनस्पति विज्ञान से स्नातक करने के बाद दिल्ली में ही सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे

थे। उनके पिता सुमन कुमार ठाकुर बिहार पुलिस में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (ASI) हैं। वे वर्तमान में नालंदा जिले के नुरसराय थाना में पदस्थापित हैं। जबकि उनकी माता नीलम देवी गृहिणी हैं। सौरभ के पिता सुमन ठाकुर ने बताया कि सौरभ सुमन चार भाई-बहनों में चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने बताया कि सौरभ अभी दिल्ली में है। सौरभ की इस सफलता से परिवार में खुशी की लहर है, वहीं गांव में भी जश्न का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि पर गांववालों और शुभचिंतकों ने उन्हें ढेरों बधाइयां दी हैं। सौरभ की कहानी आज की पीढ़ी के लिए एक मिसाल बन गई है।

साल 2024 में जून और सितंबर में हुई थी परीक्षा -यूपीएससी सिविल सर्विस की प्रीलिम्स परीक्षा पिछले साल 2024 में 16 जून को हुई थी। इस परीक्षा में कुल 5,83,213 उम्मीदवार शामिल हुये थे। इसके बाद चयनित कुल 14 हजार 627 उम्मीदवार 20 से 29 सितंबर तक आयोजित हुए मेंस परीक्षा में शामिल हुए थे।

अधेड़ व्यक्ति की ट्रेन की टक्कर से मौत जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में अधेड़ व्यक्ति की जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक रेलवे फाटक पार कर रहा था, तभी अचानक एक तेज रफ्तार ट्रेन आ गई और वह उसकी चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।हादसा होते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर

पहुंची मोहनलालगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की उम्र लगभग 50 वर्ष के आसपास बताई जा रही है, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है।पुलिस ने आसपास के थानों और गांवों में सूचना भेजकर मृतक की पहचान कराने का प्रयास शुरू कर दिया है। फिलहाल शव मर्चरी में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पहचान होने के बाद परिजनों को सूचित कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जल निकासी को लेकर हुआ विवाद, मारपीट में कई लोग घायल

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज हरि खेड़ा गाँव में जल निकासी को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना में एक व्यक्ति सहित उसकी पत्नी और पुत्री को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित सिद्धनाथ यादव ने स्थानीय पुलिस को दी तहरीर में विपक्षीगण पर गंभीर आरोप लगाए हैं।घटना शनिवार को सुबह लगभग 10:30 बजे की है जब सिद्धनाथ यादव अपने घर के नाले का पानी निकालने के लिए पाइप डाल रहे थे। तभी गाँव के ही निवासी अशोक यादव, राम लखन यादव, शिवा यादव और आराधना यादव ने आकर पाइप डालने का विरोध किया और गाली-गलौज के साथ जान से मारने की धमकी दी।तहरीर के अनुसार, जब पीड़ित ने पाइप डालने की प्रक्रिया जारी रखी, तो विपक्षीगणों ने मिलकर उन्हें जबरन धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान पीड़ित की पत्नी और पुत्री बचाव के लिए आईं तो उनके साथ भी मारपीट की गई।पीड़ित ने बताया कि उसकी पुत्री को गंभीर आंतरिक चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इसके पश्चात सिसेंडी चौकी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जब पीड़ित पक्ष द्वारा पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की गई, तो विपक्षीगणों ने धमकी दी कि "अगर ज्यादा परेशान करोगे, तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे।" पीड़ित ने आरोपियों को दबंग और हिंसक प्रवृत्ति का बताया है। पूरे मामले की रिपोर्ट थाने में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

अज्ञात कारणों से लगी आग, आग से आधा दर्जन आवासीय घर की ग्रहस्थी हुई राख

स्वतंत्र प्रभात

कछौना हरदोई कोतवाली कछौना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गाजू में अज्ञात कारण से आग लग गई। तेज हवाओं के चलते देखते ही देखते एक घर से शुरू हुई आग ने 6 घरों को अपने आगोश में ले लिया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सूचना पर पहुंची राजस्व टीम क्षति के आकलन में जुटी रही। बताते चलें कि ग्राम पंचायत गाजू के फत्तेपुर गांव दोपहर में बालकराम के घर में अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे घर को अपने आगोश में ले लिया। इस दौरान चली हवा के साथ जलते हुए फूस के टुकड़े आसपास के घरों पर भी गिरने से एक साथ 6 पक्के मकानों पर रखे छप्पर के घर जलने लगे। भीषण आग से पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। महिलाएं व बच्चे बिलख पड़े। ग्रामीणों की सूचना पर टीम के साथ पहुंचे कोतवाली प्रभारी छोटेलाल ग्रामीणों के साथ आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इस दौरान जल मिशन के अंतर्गत लगी पाइप काटकर ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक ग्रामीण बालकराम पुत्र तुला, प्रेमा पत्नी प्रेमलाल, लखनलाल पुत्र दीना,चन्दकिशोर पुत्र छंगा, रामकुमार पुत्र छंगा, तिलकू पुत्र झींगुर, के घर गृहस्थी के सामान सहित जल गए। ग्रामीणों ने बताया कि आग से 3 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। आग की सूचना पर पहुंचे राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह ने क्षति का आकलन कर रिपोर्ट भेज दी है।

स्कॉर्पियो ने मारी ऑटो को टक्कर, तीन लोग गंभीर रूप से घायल.....

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां थाना क्षेत्र के सुदौली मोड़ चौराहे के पास बुधवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक स्कॉर्पियो वाहन, जो प्रयागराज से जयपुर जा रही थी, अचानक सामने आए ट्रक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर एक खड़े ऑटो से टकरा गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऑटो चालक अमजिद अपनी गाड़ी को सुदौली मोड़ के किनारे खड़ा कर पास की एक परचून की दुकान से कुछ सामान लेने गया था। उसी दौरान प्रयागराज से जयपुर जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो जैसे ही सिदौली मोड़ चौराहे पर पहुंची, अचानक एक ट्रक सामने आ गया। ट्रक से टक्कर टालने के प्रयास में स्कॉर्पियो चालक ने वाहन मोड़ा लेकिन सामने खड़े ऑटो से जोरदार टक्कर हो गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो और ऑटो दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। स्कॉर्पियो में सवार चार लोगों में से तीन को गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोग पहुंचे और पुलिस को खबर दी। पुलिस द्वारा तुरंत एंबुलेंस बुलाई गई और तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज भेजा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे पर ट्रैफिक व्यवस्था और

संकेतकों की कमी के कारण यहां अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मार्ग पर जाम भी लग गया जिसे पुलिस ने बाद में हटवाया।

शिक्षा समाज का आधार- डॉ. सुनील कुमार

● स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत विकासखण्ड सांडी में भव्य रैली का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

सांडी विकासखंड में स्कूल चलो अभियान÷ के तहत एक भव्य रैली का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विकासखंड क्षेत्र में अधिक से अधिक बच्चों का शत-प्रतिशत विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित कराना एवं जनमानस में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना था। रैली को खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली का शुभारम्भ विकास खंड सांडी स्थित कनक उपवन से हुआ और यह विभिन्न ग्रामों एवं मुख्य मार्गों से होती हुई कार्यालय पर आकर संपन्न हुई। रैली में विकासखंड के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, ग्राम प्रधानों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूली बच्चों द्वारा रंग-बिरंगे परिधानों में हाथों में तख्तियां व बैनर लेकर "हर बच्चा स्कूल जाए, कोई न छूटे

पढ़ाई से", "पढ़ेगा इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया" जैसे जोशीले नारों के साथ आमजन को शिक्षा का महत्व समझाया गया।

रैली के शुभारम्भ अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान सिर्फ एक रैली नहीं, बल्कि एक संकल्प है - हर बच्चे को शिक्षित करने का। शिक्षा समाज का आधार होती है और यह हमारा कर्तव्य है कि हर बच्चे को स्कूल तक पहुँचाया जाए। अभिभावकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान को जन आंदोलन का रूप दें और शिक्षा के क्षेत्र में सांडी को एक आदर्श विकासखंड बनाएं।

इस अवसर पर समस्त संकुल प्रभारी, ग्राम प्रधानगण, प्रधानाध्यापकगण, अभिभावक समिति के सदस्यगण तथा अन्य विभागीय अधिकारीगण भी मौजूद रहे। सभी ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि विकासखंड सांडी में किसी भी उम्र के बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। रैली के समापन पर खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि इस अभियान को केवल नामांकन तक सीमित न रखते हुए बच्चों की निरंतर उपस्थिति व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर अभय यादव, अजीत शुक्ल, पुष्पेंद्र शुक्ल, राजेश शर्मा, रवि सिंह, ललित त्रिपाठी, अनुज कुमार, विकास शर्मा, धीरेंद्र सिंह,सुनील कुमार, राखी श्रीवास्तव, शाहीन अख्तर, नीलम देवी, शुभा वर्मा आदि रही।

संक्षिप्त खबरें

कायराना आतंकी हमले की राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजि.) जौनपुर इकाई ने की कड़ी निंदा

आपात बैठक में मृतकों को श्रद्धांजलि, घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना

जौनपुर। कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले की राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजि.) जौनपुर इकाई ने कड़े शब्दों में निंदा की है। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि इस बर्बर हमले में निर्दोष नागरिकों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पत्रकार समुदाय में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश व्याप्त है। संगठन ने इसे देश की आत्मा पर हमला करार दिया। घटना के विरोध में परिषद द्वारा एक आपात बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने की। बैठक की शुरुआत में मृतकों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया और श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही घायल नागरिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष संजय सिंह, इजहार हुसैन, इम्तियाज़ अहमद, जिला महासचिव मनीष श्रीवास्तव, अनवर हुसैन, रियाजुल हक, राहुल गुप्ता, जिला सचिव असलम खान, रवि केशरी, विधि सलाहकार, अमित तिवारी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी मोश अल्ताफ संतोष कुमार, जितेंद्र बहादुर सिंह, राजेश सिंह, मोश हारून आदि पत्रकार मौजूद रहे।

पहलगाम में आतंकियों द्वारा की गई सैलानियों की हत्या पर रोष

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के वाणिज्य संकाय में आज जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा सैलानियों की निर्माता से की गई हत्या पर कड़ा रोष व्यक्त किया गया तथा गोलाबारी में मारे गए सैलानियों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मुख्य नियंता प्रोफ़ेसर दीपक बाबू ने कहा कि आतंकियों द्वारा न सिर्फ सैलानियों की हत्या की गई है अपितु यह जम्मू कश्मीर में निरंतर सुधर रहे वातावरण और विकास को रोकने का भी कुरचित प्रयास है। जिस से निर्माता के साथ महिलाओं और बच्चों के सामने सैलानियों की हत्या की गई है उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। विश्वविद्यालय भारत सरकार से मांग करता है की जम्मू कश्मीर में आतंकियों के विरुद्ध एक बड़ा अभियान चलाकर उनका समूल नाश करना अत्यंत आवश्यक है। यदि यह आतंकी घटना सीमा पार से प्रायोजित है तो उसका भी मुहतोड़ जवाब दिया जाना प्रत्येक भारतीय की इच्छा है। ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह का कुकृत्य करने की हिम्मत दोबारा न कर सके। इसलिए कड़ा प्रतिकार इस समय बहुत आवश्यक है। पूरा देश सरकार के साथ है।

बाल विवाह को खत्म करने व बच्चो के भविष्य को सवारने में सहयोग करें:-संजय निगम

हरदोई, जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार निगम ने जन साधारण को सूचित किया जाता है कि अक्षय तृतीया (30 अप्रैल 2025) के अवसर पर ज्यादातर बाल विवाह होने की वजह से बेटियों को आर्थिक, मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ना सहनी पड़ती है बाल विवाह के बचाव के लिए उन्होंने समस्त संस्थाओ, महिला समूह, ग्राम प्रधानो एवं आगंनबाडी कार्यकत्रियो, आशा बहुओ, समाज सेविकाओ से अनुरोध है कि बाल विवाह को जनपद में खत्म करने के लिए, बच्चो के भविष्य को सवारने के लिए कृपया बाल विवाह रोकथाम के लिए 181, 1098, एवं 112 नम्बर पर कॉल करे या सीधे जिला प्रोबेशन कार्यालय या जिला बाल संरक्षण इकाई रेलवेगंज हरदोई में सम्पर्क करें। लड़की की उम्र 18 वर्ष व लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम होती है तो बाल विवाह कहा जाता है। बाल विवाह सम्पन्न कराये जाने वाले व्यक्ति जैसे पंडित, मौलवी, माता-पिता, दोस्त इत्यादि को दो वर्ष की कड़ी सजा या एक लाख का जुर्माना या दोनो हो सकते है।

जो मथुरा को खिला रहे 'धीमा जहर' उन्हें अभयदान

● मथुरा में मेवात से आ रहा अपमिश्रित मावा, पनीर

स्वतंत्र प्रभात

मेवात क्षेत्र से आए अपमिश्रित पनीर को नष्ट कराती खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम।

मथुरा। मावा, पनीर, घी जैसे दुग्ध उत्पाद मथुरा के लोगों के लिए धीमा जहर बन गये हैं। इक्का दुक्का या कहें कि चुनिंदा कार्यवाही कर जिम्मेदार विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहे हैं लेकिन हकीकत से अनजान कोई नहीं है। मंगलवार की रात्रि में लगभग नौ बजे मुखबिर से प्राप्त सूचना पर खाद्य सचल दल द्वारा बीएसए रोड, पर स्थित सफी डेयरी पर विक्रय के लिए बुलेरो पिकअप गाड़ी संख्या एचआर 73 बी 8563 द्वारा लाये गये पनीर मात्रा लगभग 540 किलोग्राम का निरीक्षण किया गया। गाड़ी चालक ने अपना नाम शाहिद निवासी इन्दाना पुन्हाना, जिला नूंह, हरियाणा बताया। निरीक्षण के दौरान गाड़ी में भंडारित पनीर में से पनीर का एक नमूना तथा सफी डेयरी से पनीर का एक नमूना संग्रहित किया गया। बुलेरो पिकअप में भंडारित पनीर को मौके पर अपमिश्रित होने के कारण नष्ट करा दिया गया। बुधवार को प्रातः लगभग 7:30 बजे होलीगेट पर इको गाड़ी संख्या एचआर 28 एम 0643 में सार्वजनिक बिक्री के लिए भंडारित लगभग 120 किलोग्राम पनीर का निरीक्षण किया गया।

पूछे जाने पर गाड़ी चालक व मालिक ने अपना नाम खूबी पुत्र ताजू निवासी मेवात हरियाणा बताया। गाड़ी में भंडारित पनीर से एक नमूना संग्रहित कर शेष अपमिश्रित पनीर को नष्ट करा दिया गया। होलीगेट स्थित जैन डेयरी से पनीर का एक व खोआ का एक नमूना तथा कृष्णा डेयरी से खोआ का एक नमूना एवं हनुमान डेयरी, कोतवाली रोड से घी का एक नमूना संग्रहित किया गया। संग्रहित कुल सात खाद्य नमूनों को विश्लेषण के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जायेगी। साथ ही 22 अप्रैल को पनीर निर्माण इकाईयों मै. राधे मिल्क एण्ड मिल्क प्रोडक्ट्स, रामनगर पारसौली रोड, बाजना, मथुरा तथा अतुल डेयरी, रामनगर पारसौली रोड, बाजना, मथुरा द्वारा निर्मित पनीर खाद्य विश्लेषक की जांच में अधोमानक एवं असुरक्षित पाये जाने पर दोनों डेयरियों के खाद्य लाइसेंस निलंबित कर उनके खाद्य कारोबार पर रोक लगा दी गयी है।

समस्तीपुर में करंट लगने से महिला की मौत, छत पर कपड़ा सुखाने के दौरान हुआ हादसा

समस्तीपुर में बुधवार को करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई। घटना विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के बालकृष्णपुर मड़वा पंचायत की है। घटना की सुचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतका की पहचान मड़वा पंचायत के सुभानीपुर गांव निवासी सूरज पासवान की पत्नी मंजू देवी (35) के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मंजू सुबह 9 बजे के करीब छत पर कपड़ा सुखाने के लिए गई थी। इस दौरान बिजली के तार के संपर्क में आ गई। करंट लगने की वजह से वह छत पर ही गिर पड़ी। जिसके बाद परिवार के लोग आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतका के पति सूरज पासवान ट्रक चलाते हैं। महिला के तीन बेटी और एक बेटा है। जिनमें सबसे बड़ी बेटी रोशनी मात्र 7 साल की है। घटना के बाद से ही सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि महादलित टोले में बिजली के एक ही पोल से करीब 50 घरों में कनेक्शन है। पोल से अक्सर चिंगारियां निकलती रहती हैं। लोगों ने कई बार इसकी शिकायत विभाग से की है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

फैमिली आईडी: परिवार का संयुक्त आधार कार्ड, 12 डिजिट में होगी पहचान

● प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सचिवालय पर बनाये जा रही हैं फैमिली आईडी

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। अब हर परिवार का संयुक्त आधार कार्ड होगा। व्यक्ति की तरह अब हर परिवार की अपनी 12 डिजिट की अलग पहचान होगी। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने अवगत कराया है कि शासन के निर्देशों के क्रम में प्रत्येक परिवार के लिये 12 अंकों की एक विशिष्ट पहचान संख्या फेमिली आईडी प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सहायकों द्वारा बनायी जा रही है। जिसमें परिवार के सदस्यों का विवरण दिया होगा। फैमिली आईडी बनाने का उद्देश्य योजनाओं में पात्रता निर्धारित करने तथा लाभ से वंचित पात्र लाभार्थियों को लाभ देने के लिये होगा। जिन परिवारों के पास राशन कार्ड है, उनका राशन कार्ड ही फैमिली आईडी है। जिनका राशन कार्ड नहीं है, उस परिवार को पंजीकरण करने और आवेदन प्रक्रिया को पूरा करने की आवश्यकता है। लोगों में कुछ भ्रांतियां है कि जिनकी फेमिली आईडी बनेगी उन्हे राशन कार्ड नहीं बनेगा यह निराधार है। फेमिली आईडी बनने के उपरान्त राशन कार्ड पात्रता और लक्ष्य अवशेष होने पर पूर्व की भांति बनेगा। साथ ही साथ अन्य योजनाओं जिससे वह परिवार पात्र होने के बावजूद लाभ नहीं पा रहा है। उन्हें उन योजनाओं का पात्रता के अनुसार लाभ भी मिलेगा। अतः जनपद मथुरा की सभी ग्रामीण परिवारों से अपील की जाती है कि पंचायत सचिवालय पर जाकर पंचायत सहायक के माध्यम से फैमिली आईडी बनवाना सुनिश्चित करें। फैमिली आईडी बनवाने के लिए मात्र अपना नाम व मोबाइल नम्बर दर्ज करने की आवश्यकता है। दर्ज कराये गये मोबाइल नम्बर पर पंजीकरण के लिए ओटीपी अपने पंचायत सहायक को उपलब्ध कराना आवश्यक है। किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है।

भागवत सुन भाव विभोर हुए श्रोता, भागवत सुनने मात्र से दूर हो जाते हैं कष्ट पंडित वागीश रामचंद्र दास

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। शिवगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत भवानीगढ़, देहली में सप्तवेदी, गणेश आंबिका, रूद्र हनुमत देव, सहित मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन यजमान कालिका प्रसाद मिश्रा, सपत्नीक राजेश्वरी मिश्रा, के यहां आनंद मिश्रा के द्वारा संकल्पित पांचवी श्रीमद् भागवत कथा का हो रहा भव्य आयोजन। आपको बता दें कि, भवानीगढ़, देहली गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन बुधवार को वृंदावन से पधारे कथा व्यास पंडित वागीश रामचंद्र दास ने विविध प्रसंगों पर अद्भुत व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए लोगों से सन्मार्ग पर चलने की बात कही।

कथा व्यास ने बताया कि, भागवत कथा से मनुष्यों को ज्ञान व वैराग्य की प्राप्ति होती है। श्रीमद् भागवत कथा जीवन में उद्देश्य व दिशा को दर्शाती है इसीलिए कहते हैं की श्रीमद् भागवत कथा सुनने मात्र से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है, उसे ईश्वर के श्री चरणों में स्थान मिलता है। कथा व्यास ने यह भी बताया कि, मनुष्य का क्या कर्तव्य है इसका बोध भागवत सुनकर ही होता है, विडंबना यह है कि, मृत्यु निश्चित होने के बाद भी हम उसे स्वीकार नहीं करते हैं, निष्काम भाव से प्रभु का स्मरण करने वाले लोग अपना जन्म और मरण दोनों सुधार लेते हैं। प्रभु जब अवतार लेते हैं तो माया के साथ आते हैं, साधारण मनुष्य माया को शाश्वत मान लेता है और अपने शरीर को प्रधान मान लेता है, जबकि शरीर नश्वर है। भागवत कथा यह सिखाती है कि, कर्म ऐसे करो जो निष्काम हो वही सच्ची भक्ति है। कथा व्यास ने सती प्रसंग, ध्रुव चरित्र, श्रृंगीऋषि के प्रसंग पर अद्भुत व्याख्यान प्रस्तुत किया। कथा व्यास पंडित वागीश रामचंद्र दास द्वारा विभिन्न प्रसंगों को सुनकर पांडाल में उपस्थित हजारो श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। महराजगंज क्षेत्र के ग्राम सभा जिहवा के रहने वाले आनंद मिश्रा ने बताया कि, हर दूसरे महीने अलग-अलग स्थानों पर उनके द्वारा संकल्पित श्रीमद् भागवत कथाओं का आयोजन किया किया जा रहा है, यह उनके

द्वारा आयोजित पांचवी श्रीमद् भागवत कथा है। इस मौके पर यज्ञशाला प्रमुख आचार्य पंडित योगेंद्र त्रिपाठी, परिचायक अमरेश शुक्ला, आकाश मिश्रा, मुख्य यजमान कालिका प्रसाद मिश्रा, सपत्नीक राजेश्वरी मिश्रा सहित, सुमित मिश्रा,रुद्रेश मिश्रा, पंकज मिश्रा, रामानुज मिश्रा, कनिक मिश्रा, अमित मिश्रा, आकाश मिश्रा, विकाश मिश्रा, कृष्ण मिश्रा, हर्षित मिश्रा, अरुण तिवारी, अनूप अवस्थी, सुभाष मिश्रा, अरविंद सिंह, विवेक मिश्रा, जितेंद्र सिंह, रागेन्द्र सिंह, रामू त्यागी सहित बड़ी तादात में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चकवापुर गांव में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग का तांडव, 12 घर जलकर राख

● दो भैंसे, सात बकरियां जिंदा जलीं,नगदी समेत आभूषण जलकर खाक

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। बुधवार दोपहर कोतवाली क्षेत्र के चकवापुर गांव में अचानक शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस हादसे में करीब 12 घरों की गृहस्थी जलकर राख हो गई। आग में दो भैंसे और सात बकरियां जिंदा जल गईं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के ही पल्लर के घर के पास लगे बिजली के खंभे में शॉर्ट सर्किट हुआ। उससे निकली चिंगारियां नीचे पड़े कूड़े पर गिरीं, जिससे आग भड़क गई। यह आग सबसे पहले पल्लर की पत्नी कांती के छप्पर तक पहुंची। कांती ने जानवरों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि दो भैंसे और सात बकरियां अंदर ही जिंदा जल गईं। साथ ही बरामदे में खड़ी बाइक, घर में रखा अनाज, भूसा और गृहस्थी का सारा सामान जल गया। नुकसान करीब पांच लाख रुपये बताया जा रहा है। आग बुझाने के दौरान कांती भी बुरी तरह झुलस गईं। उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। तेज हवा के चलते आग ने आसपास के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। गांव के गेंदालाल, गुप्तार, बराती, अंबिका, भोरा और रमेश शिवचंद और हंसराज के घर भी जल गए। सभी का सामान और अनाज राख हो गया। रानी पत्नी शिवचंद ने बताया कि उनके घर में बेटी की शादी थी तैयारी चल रही थी आग में जल कर सब कुछ नष्ट हो गया नगदी समेत लाखों रुपए कीमत के जेवरात और घर में रखा अनाज व कपड़े जलकर राख हो गए। गांव निवासी हंसराज व उदयराज के घर में ताला बंद है। दोनों पूरे परिवार के साथ मुंबई में रहकर रोजी-रोटी कमाते हैं। एक माह पहले ही घर में ताला लगाकर कमाने गए थे। आग में दोनों घर जलकर राख हो गए। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस को फोन किया गया, लेकिन टीम करीब एक से डेढ़ घंटे बाद पहुंचीं। देर से पहुंचने पर ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार ध्रुवनारायण, नायब तहसीलदार शंभूशरण पांडेय और राजस्व टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन शुरू किया गया है। प्रशासन ने मदद का भरोसा दिलाया है।

पत्रकार कुँवर यशवंत सिंह का निधन

● परिजन व क्षेत्र में शोक का माहौल

स्वतंत्र प्रभात

खेतासराय(जौनपुर)। जिले के वरिष्ठ पत्रकार डॉ कुँवर यशवंत सिंह का बुधवार की प्रातः निधन हो गया । उन्होंने अपने पैतृक गांव पोरईखुर्द में अंतिम सांस ली । वह क़रीब अस्सी वर्ष के थे । निधन की ख़बर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया । बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और राजनीतिक दलों ने आवास पहुँचकर शोक संवेदना प्रकट की । पिछले काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे।

वह विकास खण्ड सोंधी में 1974 से 1984 तक नायब ब्लॉक प्रमुख रहे। कई शिक्षण संस्थानों में संस्थापक सदस्य के अलावा श्रमजीवी पत्रकार संघ के संरक्षक भी रहे। उनका अंतिम संस्कार देर शाम खुटहन के पिलकिछा घाट पर किया गया। मुख्यग्नि बड़े बेटे अजय सिंह ने दिया। उन्होंने अपने पीछे दो बेटे और एक पुत्री समेत भरा पूरा परिवार छोड़ दिया। निधन की खबर लगते ही काफी संख्या में क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक, पत्रकार व जनप्रतिनिधि आवास पहुँच कर शोक व्यक्त किया। शोक व्यक्त करने वाले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख ईश नारायण यादव, पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव, प्रधान इस्त्रायल, कृपा शंकर राजभर, इंद्रेश राजभर, मंत्री प्रतिनिधि अजय सिंह, अनिल कुमार उपाध्याय समेत दर्जनों लोगों ने शोक व्यक्त किया। उधर पत्रकारों ने खेतासराय स्थित कैंप कार्यालय में बैठक करके पहलगाम में 26 यात्रियों की हुई हत्या गहरी शोक संवेदन व्यक्त करते हुए सरकार से मांग किया कि दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान जिले के

वरिष्ठ पत्रकार डॉ कुँवर यशवंत सिंह के निधन पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि देने वालों में वरिष्ठ पत्रकार राममूर्ति यादव, इंद्रजीत सिंह मौर्य, मोहम्मद अरशद, यूसुफ खान, आनंद सिंह, सैयद तारिक़, अज़ीम सिद्दीकी, हाजी जियाउद्दीन, विवेक श्रीवास्तव, सुरेश प्रजापति, मो फ़हीम, राकेश शर्मा, अजय श्रीवास्तव, औरंगज़ेब अन्य शामिल रहे।

आग के कहर से चार घरों की गृहस्थी जलकर खाक

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र के अलग-अलग गाँवों में लगी आग से चार घरों की मृहस्थी, एक दुकान की गुमटी, एक जानवरों का बाड़ा जलकर खाक हो गया। पहली घटना में बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे पोरई गाँव में विद्युत लाइन के तार से निकली चिंगारी एक घर में गिर गई। जिससे में घर में रखा सामान जलने लगा। कुछ देर में ही आग ने विकराल रूप ले लिया और पास में दो अन्य घरों तक पहुंच गई। इससे घर का सारा सामान व तीन बकरियों के साथ- साथ घर के पास में रखी दुकान की गुमटी में रखा सारा सामान भी जलकर खाक हो गया। पोरई गांव के लोगों की माने तो यहां के रहने वाले मो अनवर पुत्र मोहब्बत अली,मुनव्वर अली पुत्र मोहब्बत अली और मोहम्मद शरीफ पुत्र मोहम्मद मुनीर के घर की सारी गृहस्थी जलकर खाक हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि तेज आग की लपटें उठती देख उन्होंने फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी। लेकिन मौके पर कोई दमकल गाड़ी नहीं पहुँची तो ग्रामीण खुद ही आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों ने घर में लगे समर सेबिल के पानी के जरिए कड़ी मशक्कत कर काफी देर बाद आग पर काबू पा लिया। लेकिन तब तक तीनों घरों की लगभग दो लाख की गृहस्थी जलकर राख हो गई।

दूसरी घटना ओनई गाँव में अपराह्न करीब 3 बजे घटी। ओनई गाँव निवासी शिवरतन निर्मल के यहाँ मंगलवार को तिलक कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। तंदूर से निकली राख में दबी कोई चिगांरी तेज हवा के चलते पास की बाँसकोठी तक पहुँच गई और बाँसकोठी तेज लपटों के साथ चलने लगी। बाँस चटकने से बगल में स्थित सेवानिवृत्त शिक्षक रमेशचन्द्र के घर में आग पहुँच गई और विकराल रूप धारण करने लगी। बाँस चटखने से करीब दो सौ मीटर दूर स्थित ललित गुप्ता के घर के पीछे जानवरों के बाड़े में आग लग गई। पड़ोस के रहने वाले मो0 फारुक ने बाड़े में बँधी गायों को खोलकर उनकी जान तो बचा ली लेकिन पूरा बाड़ा जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग को सूचना दी गई लेकिन दमकल कर्मी मौके पर नहीं पहुँचे सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों ने करीब दो घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस अग्निकाण्ड में रमेशचन्द्र के घर से करीब 50 हजार रुपये कीमत का गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया।

कोतवाली पुलिस ने नाबालिग लड़के का अपहरण करने वाली लेडी डॉन को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा धारा-115(2), 137(2) बीएनएस व 16/17 पाक्सो एक्ट से संबंधित फरार अभियुक्ता रिंका (काल्पनिक नाम) थाना कोतवाली जनपद जौनपुर को कोतवाली क्षेत्र के रेलवे स्टेशन से मुखबिर खास की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। पीडित काल्पनिक नाम सोनू को भी लाया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। आपको बताते चलें कि उक्त आरोपी लेडी डॉन अपने मोहल्ले के ही एक नाबालिक लड़के को पिछले हफ्ते सरेआम अपहरण कर लिया था मौके पर पहुंची पुलिस को धक्का मार कर के यह फरार हो गई थी।

अपराधिक इतिहास –

1.धारा-115(2), 137(2) बीएनएस व 16/17 पाक्सो एक्ट थाना कोतवाली जौनपुर।

आरोपी के कब्जे से बरामद पीडित

पीडित काल्पनिक नाम सोनू थाना कोतवाली जौनपुर।

गिरफ्तारी/ सहयोग करने वाली टीम-1.प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार मिश्र, थाना

कोतवाली जौनपुर। 2.उ0नि0 धनन्जय राय चौकी, इंचार्ज सिपाह थाना कोतवाली जौनपुर। 3.का0 आनन्द आनन्द कुमार, चौकी सिपाह थाना कोतवाली जौनपुर। 4.प्रियंका भारती, थाना कोतवाली जौनपुर।

विश्व पृथ्वी दिवस रॉयल कैम्ब्रिज के बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

स्वतंत्र प्रभात

शाहगंज,जौनपुर। पृथ्वी दिवस पर जहां पूरे भारत मे जगह जगह जागरूकता अभियान, गोष्ठी,आदि का आयोजन किया गया।तो वहीं शाहगंज के मोहल्ला इराकियाना रॉयल कैम्ब्रिज स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों एक जागरूकता रैली निकाली।जिसे मुख्य अतिथि समाजसेवी शफअत अशफाक उर्फ सफ्फु भाई ने हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया।बच्चे हाथ मे स्लोगन लिखे तख्तियाँ लेकर चल रहे थे।और पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक कर रहे थे।रैली इराकियाना से नगर नगर भर्मण कर पुनः अपने गंतव्य स्थान पर पहुंची।जहां बच्चों और उपस्थित गणमान्यों को सम्बोधित करते हुए कहा की पृथ्वी दिवस एक वार्षिक आयोजन है जिसे 22 अप्रैल को दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित किया जाता है। इसकी स्थापना अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने 1970 में एक पर्यावरण शिक्षा के रूप की थी। अब इसे 192 से अधिक देशों में प्रति वर्ष मनाया जाता है। पृथ्वी दिवस का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दिन हमें ग्लोबल वार्मिंग के बारे में पर्यावरणविदों के माध्यम से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का पता चलता है। पृथ्वी दिवस जीवन संपदा को बचाने व पर्यावरण को ठीक रखने के बारे में जागरूक करता है। जनसंख्या वृद्धि ने प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक बोझ डाला है। संसाधनों के सही इस्तेमाल के लिए पृथ्वी दिवस जैसे कार्यक्रमों का महत्व बढ़ गया है।

तीन कुंटल से अधिक गौमांस बरामद, हिन्दू संगठनों में मचा हड़कंप

● पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर की कार्रवाई, मुकदमा दर्ज

राजापुर, चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र के बेराऊर बांगर के समीप मंगलवार रात उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक डिजायर कार से भारी मात्रा में गौमांस बरामद हुआ। बरामद किए गए मांस का वजन करीब 3 कुंटल 15 किलो बताया जा रहा है। इस घटना के सामने आने के बाद से इलाके में हिन्दू संगठनों के लोगों में रोष व्याप्त है। सूत्रों के अनुसार, हिन्दू संगठन के एक मुखबिर ने पुलिस को जानकारी दी कि सरधुआ की ओर से एक चार पहिया वाहन में गौमांस भरकर राजापुर लाया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी प्रवीण सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम लूप लाइन चौराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। रात करीब 10 बजे एक सफेद डिजायर कार को पहचान कर मुखबिर ने संकेत दिया। पुलिस को देखकर चालक ने गाड़ी मोड़कर बेराऊर बांगर की ओर भागना शुरू कर दिया। राम वनगमन मार्ग पर निर्माणाधीन सड़क में फंस जाने के कारण गाड़ी को रोका नहीं जा सका, और अंधेरे का लाभ उठाकर गाड़ी में सवार दो लोग मौके से फरार हो गए। जब पुलिस ने वाहन की तलाशी ली, तो उसमें से छह बोरियों में भरकर रखा गया गौमांस बरामद किया गया।

गाड़ी की आगे और पीछे की नंबर प्लेटें गायब थीं। पुलिस ने ई-चालान ऐप से गाड़ी की जानकारी निकाली तो पता चला कि यह गाड़ी शीला पत्नी रमाशंकर सोनकर, निवासी आवास विकास, केशवपुरम, कल्याणपुर, कानपुर के नाम पर दर्ज है। थाना प्रभारी प्रवीण सिंह ने बताया कि मौके पर ही पशु चिकित्साधिकारी डॉ. संजय सिंह की टीम को बुलाया गया और बरामद मांस को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। साथ ही पुलिस और डॉक्टर की टीम की उपस्थिति में जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर मांस को मिट्टी में दबा दिया गया। इस पूरे प्रकरण में पुलिस ने गौहत्या निवारण अधिनियम और गौमांस तस्करी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। नामजद आरोपी शीला सोनकर समेत दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम गठित की है जिसमें उपनिरीक्षक इमरान खान और कॉन्स्टेबल प्रकाश मिश्रा, विमलेश, लवकुश यादव, शाकिर अली और अरुण यादव शामिल हैं। थाना प्रभारी ने भरोसा जताया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस मामले को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल है, वहीं पुलिस ने शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल की तैनाती भी कर दी है। हिन्दू संगठनों ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

धर्मगुरुओं ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की, पाकिस्तान पर सख्त कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए भीषण आतंकी हमले को लेकर पूरे देश में रोष व्याप्त है। इसी क्रम में जौनपुर के बेगमगंज स्थित जामिया इमाम जाफर सादिक़ में एक शोकसभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ धर्मगुरु मौलाना सफ़दर हुसैन जैदी ने की। इस दर्दनाक हमले में 26 लोगों के शहीद होने की पुष्टि हुई है। हमले के विरोध में आयोजित शोकसभा में मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए विशेष दुआ की गई। धर्मगुरुओं ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानवता पर हमला बताया।

मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने कहा, "यह हमला बेहद निंदनीय है। हम शहीदों के परिजनों के साथ गहरी संवेदना प्रकट करते हैं और घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ करते हैं।"

उन्होंने कश्मीर की जनता से अमन-शांति बनाए रखने की अपील की और पर्यटकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। मौलाना ने केंद्र सरकार से पाकिस्तान के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारों को ऐसी सज़ा दी जानी चाहिए जिसे आने वाली नस्लें याद रखें। शोकसभा में मौलाना अम्बर अब्बास खान, मौलाना शाजान ज़ैदी, मौलाना ज़ियाफ़त हुसैन, शम्सुल हसन, सादिक रिज़वी, आक़िफ़ हुसैनी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।